सांध्य दैनिक 4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 10 ● अंक: 49 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, गुरुवार, 21 मार्च, 2024

मूल्य ₹ 3/-

यदि आप भय पर विजय पाना चाहते हैं तो घर पर बैठ कर उसके बारे में सोचिये मत बाहर निकलिए और व्यस्त हो जाइये।

-डेल कार्नेगी

भारतीय हॉकी टीमें रैंकिंग में... 7 | धीरे-धीरे सीटों पर बनने लगी... 3 | बदायूं हत्याकांड सरकार की नाकामी... 2

कांग्रेस ने भाजपा पर किया तीखा हमला

चंदे में धंधा करने का लगाया आरोप

» सत्ता पक्ष का खेल खतरनाक : खरगे

» कांग्रेस को कमजोर करने की हो रही कोशिश

» राहुल बोले- भारत से खत्म हो रहा लोकतंत्र

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस ने काउंट्स फ्रीज करने के लिए केंद्र की मोदी सरकार पर जमकर हमला बोला है। इसी के साथ मोदी सरकार के खिलाफ मोर्चा भी खोल दिया। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि देश में लोकतंत्र नहीं है। दुनिया सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश होने की बात झूठी है। भारत की सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी का बैंक अकाउंट फ्रीज कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि आज कांग्रेस के पास 2 रुपये नहीं है कि वह नेताओं की मदद कर सके यहां तक कि टिकट खरीदने के पैसे भी नहीं हैं।

देश में हर कोई जानता है कि जब उसका बैंक अकाउंट, एटीएम कार्ड या उसकी फाइनेंशियल आइडेंटिटी मिटा दी जाए, तो कितनी मुश्किलें आती हैं। अगर ऐसा किसी परिवार के साथ किया जाए तो वो भुखमरी से मर जाएगा। किसी बिजनेस के साथ किया जाए तो वह बर्बाद हो जाए, ऐसा ही कांग्रेस के साथ किया गया है, हम अपने नेताओं, कार्यकर्ताओं को पैसा नहीं दे पा रहे हैं।

हम देश के 20 फीसद लोगों की बुलंद आवाज : राहुल

कांग्रेस नेता ने कहा, हमारे नेता हवाई सफर नहीं कर पा रहे हैं। यहां तक कि वे ट्रेन सफर भी नहीं कर सकते हैं। हमारे लिए अपने नेताओं को एक शहर से दूसरे शहर भेजना मुश्किल हो गया है। उन्होंने कहा,आज हम विज्ञापन नहीं दे पा रहे हैं, देश के 20 फीसदी लोग हमें वोट देते हैं, लेकिन आज हम 2 रुपये की पेमेंट नहीं कर पा रहे हैं. ऐसा हमें चुनाव में अपंग बनाने के लिए किया गया है। राहुल ने संवैधानिक संस्थाओं पर भी सवाल उठाए और कहा, देश में संवैधानिक संस्थाएं मौजूद हैं। कोर्ट, चुनाव आयोग और अन्य संस्थाओं ने ये सब होते हुए देखने के बाद भी कुछ नहीं कहा है, चुनाव आयोग ने भी कुछ नहीं कहा है, ये आपराधिक काम है।

जनता से एकत्रित धन को रोका जा रहा : सोनिया

कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने इस दौरान ने कहा कि यह मुद्दा सिर्फ कांग्रेस को ही प्रभावित नहीं करता, बल्कि यह हमारे लोकतंत्र को भी बुनियादी तौर पर प्रभावित करता है। प्रधानमंत्री द्वारा भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस को आर्थिक रूप से पंगु बनाने का सुनियोजित प्रयास चल रहा है। जनता से एकत्रित धन को रोका जा रहा है और हमारे खातों से जबरन पैसा छीना जा रहा है। उन्होंने कहा कि इन सबसे चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में भी, हम अपने चुनाव अभियान की प्रभावशीलता को बनाए रखने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास कर रहे हैं। एक तरफ इलेक्टोरल बॉन्ड का मामला है जिसे सुप्रीम कोर्ट ने असंवैधानिक करार दिया है। चुनावी बांड से भाजपा को भारी फायदा हुआ। दूसरी ओर, प्रमुख विपक्षी दल - कांग्रेस - की वित्तीय स्थिति पर निर्णायक हमला हो रहा है। हम सभी का मानना है कि यह अभूतपूर्व और अलोकतांत्रिक है।

चुनावी बॉन्ड से देश की छवि को पहुंची ठेस : खरगे

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि लोकसभा चुनाव की घोषणा हो चुकी है। लोकतंत्र के लिए यह आवश्यक है कि चुनाव निष्पक्ष तरीके से कराए जाएं और सभी राजनीतिक दलों को समान अवसर प्रदान किए जाएं। उन्होंने कहा कि ऐसा नहीं होना चाहिए कि ईडी, आईटी और अन्य स्वायत्त संस्थाओं पर नियंत्रण हो। पिछले कुछ दिनों में स्ट के हस्तक्षेप के बाद चुनावी बॉन्ड को लेकर जो तथ्य सामने आए हैं, उससे देश की छवि को ठेस पहुंची है। खड़गे ने आगे कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने चुनावी बॉन्ड को अवैध और असंवैधानिक बताया। उस योजना के तहत वर्तमान सत्ताधारी दल ने अपने खाते हजारों-करोड़ों रुपये से भर दिये। वहीं दूसरी ओर एक साजिश के तहत मुख्य विपक्षी दल का बैंक खाता फ्रीज कर दिया गया है। ताकि, धन के अभाव में चुनाव लड़ने में समान अवसर न मिले। उन्होंने कहा कि यह सत्ता पक्ष का खतरनाक खेल है जिसका दूरगामी असर होगा। अगर इस देश में लोकतंत्र को बचाना है तो बराबरी का मौका बनाना होगा। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि मैं यह नहीं बताना चाहता कि भाजपा ने कुछ कंपनियों से कैसे पैसा लिया। चूंकि सुप्रीम कोर्ट इस मामले की जांच कर रहा है, मुझे उम्मीद है कि सच्चाई जल्द ही हमारे सामने होगी। उन्होंने कहा कि मैं संवैधानिक संस्थाओं से अपील करता हूं कि अगर वे स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव चाहते हैं, तो उन्हें हमें अपने बैंक खातों तक स्वतंत्र रूप से पहुंचने की अनुमति देनी चाहिए। कोई भी राजनीतिक दल आयकर के दायरे में नहीं आता है।

2 चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति पर नहीं लगेगी रोक

सुप्रीम कोर्ट ने कहा- अफरातफरी मच जाएगी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को कहा कि वह इस स्तर पर चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति पर कानून पर रोक नहीं लगा सकता क्योंकि इससे चुनाव से पहले अराजकता पैदा हो सकती है। यह फैसला सुप्रीम कोर्ट द्वारा 2023 के कानून के तहत नए चुनाव आयुक्तों (ईसी) की नियुक्तियों पर रोक लगाने से इनकार करने के कुछ दिनों बाद आया है, जिसमें भारत के मुख्य न्यायाधीश को चयन पैनल से बाहर रखा गया था।

सीजेआई को पैनल से बाहर करने को दी थी चुनौती

वकील प्रशांत भूषण एनजीओ एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) की ओर से अदालत में पेश हुए, जिसने सीजेआई को पैनल से बाहर करने को चुनौती दी है और कहा है कि स्वस्थ लोकतंत्र बनाए रखने के लिए चुनाव आयोग को राजनीतिक और कार्यकारी हस्तक्षेप से अलग रखा जाना चाहिए। यह सुनवाई इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि पूर्व भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) अधिकारी ज्ञानेश कुमार और सुखबीर संधू को गुरुवार को ईसी के रूप में नियुक्त किया गया था। इनका चयन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता वाले पैनल द्वारा किया गया।

न्यायमूर्ति संजीव खन्ना, न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने याचिकाकर्ताओं से कहा था कि वे इस तथ्य को इंगित करते हुए एक अलग आवेदन दायर करें, जिन्होंने बताया कि ईसी के चयन के लिए एक बैठक पहले से आयोजित की गई थी। पीठ ने 2023 के कानून के अनुसार की गई नियुक्तियों पर रोक लगाने से इनकार करते हुए कहा कि आम तौर पर और आम तौर पर हम अंतरिम आदेश के माध्यम से किसी कानून पर रोक नहीं लगाते हैं। इसने 2023 कानून के तहत दो ईसी की नियुक्तियों को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई 21 मार्च तक के लिए टाल दी थी।

ईडी के खिलाफ फिर कोर्ट की शरण में केजरीवाल

» कोर्ट बोली- सीएम के खिलाफ सबूत दे ईडी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली हाई कोर्ट ने ईडी से कहा कि उसके पास अगर दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के खिलाफ सबूत हो तो वह उसे पेश करे। वहीं दिल्ली उच्च न्यायालय में एक नई याचिका दायर कर अपने खिलाफ कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं करने की मांग की है। न्यायमूर्ति सुरेश कुमार कैत की अगुवाई वाली खंडपीठ आज सुबह मामले की सुनवाई करेगी।

कल दिल्ली हाईकोर्ट में उनके मामले की सुनवाई के दौरान उनके वकीलों ने कहा कि उन्हें आशंका है कि ईडी उन्हें गिरफ्तार कर लेगी और अगर उन्हें सुरक्षा दी जाती है तो वे पेश होने के लिए तैयार हैं। केजरीवाल ने दिल्ली उच्च न्यायालय में एक नई याचिका दायर कर अपने खिलाफ कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं करने की मांग की है। न्यायमूर्ति सुरेश कुमार कैत की अगुवाई वाली खंडपीठ आज सुबह मामले की सुनवाई करेगी। कोर्ट ने बुधवार को दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल द्वारा दिल्ली उत्पाद शुल्क नीति मामले के संबंध में उन्हें जारी किए गए समन को चुनौती देने वाली याचिका पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) से जवाब मांगा।

बदायूं हत्याकांड सरकार की नाकामी का नतीजा

» अखिलेश बोले- बीजेपी हर घटना से राजनीतिक लाभ लेने के फिराक में रहती है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बदायूं में हुए जघन्य हत्याकांड को लेकर समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने प्रदेश की योगी सरकार पर जमकर हमला बोला है। अखिलेश यादव ने कहा कि ये घटना प्रशासन, सरकार की नाकामी का नतीजा है। जीरो टॉलरेंस वाली सरकार की नीति जीरो है। अखिलेश ने बीजेपी पर हर घटना से राजनीतिक लाभ लेने का भी आरोप लगाया। वहीं सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भाजपा पर किसानों से झूठे वादे करने और नौजवानों का भविष्य बर्बाद करने का आरोप लगाया है। बसपा प्रमुख ने कहा कि भाजपा की दस साल की सरकार में कर्ज और आर्थिक तंगी के चलते एक लाख से ज्यादा किसानों ने आत्महत्या की है। भाजपा सरकार प्रतियोगी छात्रों को नौकरी नहीं देना चाहती है।

जानबूझकर पेपर लीक कराती है। यूपी में प्रतियोगी परीक्षाओं में भारी धांधली हुई है। अखिलेश यादव ने कहा कि संविधान, लोकतंत्र और आरक्षण बचाने की निर्णायक लड़ाई उत्तर प्रदेश में हो रही है। आइएनडीआए गठबंधन, भाजपा को यूपी की सभी अस्सी और देश में चार सौ सीटों पर हराएगा। भाजपा ने दस वर्षों की सरकार में सभी वर्गों को धोखा दिया है। महंगाई, बेरोजगारी चरम सीमा पर पहुंच गई है। उन्होंने कहा कि पिछड़ों, दलितों और अन्य आरक्षित वर्ग के छात्रों को भाजपा ने नियमानुसार आरक्षण नहीं दिया। प्रदेश की कानून व्यवस्था ध्वस्त है। स्वास्थ्य सेवाएं भी बर्बाद हो चुकी है। सरकारी संस्थाओं का गलत इस्तेमाल किया। चुनावी बांड के मामले में भाजपा की पोल खुल रही है। वहीं लोकसभा चुनाव की तैयारियों में जुटी समाजवादी पार्टी ने एक और लिस्ट जारी कर दी है। इस लिस्ट में छह और प्रत्याशियों का नाम शामिल है।सपा ने संभल से सांसद रहे शफीकुर्रहमान बर्क के पोते जियाउर्रहमान बर्क, बागपत से मनोज चौधरी, गौतमबुद्ध नगर से राहुल अवाना, पीलीभीत से भगवत शरण गंगवार, घोसी से राजीव राय और मिर्जापुर से राजेंद्र एस बिंद पर दांव लगाया है। नई लिस्ट में सपा ने गौतमबुद्ध नगर सीट से अपना उम्मीदवार बदल दिया है। पार्टी ने पहले महेंद्र नागर को लोकसभा चुनाव 2024 के लिए उम्मीदवार बनाया था। पार्टी ने महेंद्र नागर की जगह राहुल अवाना को प्रत्याशी बनाया है।

सपा ने जारी की छह प्रत्याशियों की सूची

जिला अस्पताल में तीसरी मंजिल तक जा रही हैं बाइकें

इटावा के जिला अस्पताल में अधिकारियों की अनदेखी के चलते तीसरी मंजिल तक बाइक ले जाई जा रही हैं। इसका एक वीडियो वायरल होने के बाद सपा मुखिया अखिलेश यादव ने ट्वीट करके नाराजगी जताई है। उन्होंने ट्वीट में कहा कि स्ट्रेचर को ले जाने के लिए बनी रैम्प पर बाइक चढ़ाकर तीसरी मंजिल तक लाने की छूट किसने दी। यहां अन्य बाइक भी खड़ी मिली हैं।ये केवल प्रशासनिक दृष्टि से ही नहीं बल्कि चिकित्सीय दृष्टि से भी घोर आपत्तिजनक है, क्योंकि अस्पतालों में शोर से मरीजों पर प्रतिकूल असर पड़ता है। इसीलिए अस्पतालों के आसपास हार्न बजाना तक प्रतिबंधित होता है। ध्वनि प्रदूषण के अलावा, बाइक के ईंधन का प्रदूषण मरीजों को दोहरा नुकसान पहुंचाएगा। ये गोरखधंधा बंद होना चाहिए और इस लापरवाही के लिए सख्त कार्रवाई होनी चाहिए।

यूपी में लॉ एंड ऑर्डर फेल : शिवपाल

बदायूं। बदायूं से सपा प्रत्याशी शिवपाल सिंह यादव ने दो बच्चों की हत्या और आरोपी साजिद के एकाउंटर पर प्रदेश सरकार को कटघरे में खड़ा किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश में लॉ एंड ऑर्डर फेल है। आरोपी के एनकाउंटर से पहले पुलिस को घटना का खुलासा करना चाहिए था। उधर, पीड़ित परिवार से मिलने पहुंचीं सांसद संघमित्रा मौर्य ने सपा और शिवपाल यादव पर सिंभल के धनारी क्षेत्र में बुधवार को चुनाव प्रचार के दौरान सपा नेता शिवपाल सिंह यादव से बदायूं में दो बच्चों की हत्या व आरोपी का एनकाउंटर के बारे में सवाल पूछा गया। इस पर उन्होंने कहा कि यह बहुत ही दुखद घटना है। प्रदेश में सरकार का लॉ एंड ऑर्डर पूरी तरह से फेल है। कहा कि पुलिस ने आरोपी का एनकाउंटर तो कर दिया है। यह केस खुलेगा कैसा? पुलिस को एनकाउंटर से पहले खुलासा करना चाहिए। आरोपी मारा जा चुका है।

सपा और शिवपाल पर बरसीं संघमित्रा

सांसद संघमित्रा ने कहा कि उम्मीदवार घोषित होने के एक महीने तक शिवपाल सिंह यादव नहीं आए, लेकिन जब आए तो मात्र तीन से चार दिन के अंदर, इस घटना का घटित होना कहीं न कहीं उनके कहे गए वाक्यों से तुलना करती हूं क्योंकि उन्होंने खुलकर कहा था कि मैं बदायूं आ गया हूं सब कुछ ठीक हो जाएगा। तो उन्हें शायद लगा होगा कि बदायूं में फिर से मजहब की दीवार खड़ी की जाए। यहां पर उसी तरह से डरा धमका कर राजनीतिक की जाए। वो अपनी दबंगई दिखाना चाहते होंगे। जैसा उन्होंने (सपा) के समय में किया था। संघमित्रा ने कहा कि जब 1998-99 में सपा मुखिया मुलायम सिंह यादव संभल लोकसभा क्षेत्र से सांसद हुआ करते थे। तब बिसौली और गुन्नौर संभल में होता था। उस समय बदायूं के तत्कालीन प्रत्याशी बूथ कैप्चरिंग किया करते थे। शायद उनके उनकी मंशा की वजह से ही यह दुखद पल आज हमें देखने को मिला है। वैसे भी सपा दंगों से वोट लेती रही है। सपा सरकार में तीन सौ से अधिक दंगे हुए। शिवपाल सिंह यादव पर वार करते हुए पर मथुरा के जवाहर बाग कांड का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि उस कांड के सूत्र धार वही थे जो सपा के बदायूं से उम्मीदवार हैं।

किसी पार्टी में विलय के लिए नहीं बनाया दल : स्वामी

» बीजेपी की नीतियों ने सबकी कमर तोड़ दी है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रायबरेली। राष्ट्रीय शोषित समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष स्वामी प्रसाद मौर्य ने बीजेपी को जमकर कोसा और कहा कि संविधान को बचाना है तो बीजेपी को हराना है। स्वामी ने इंडिया गठबंधन को अपना समर्थन देने की बात कही है। कहा कि पार्टी किसी दल में विलय की नहीं बनाई गई है, बल्कि उसकी मजबूत किया जाएगा। उन्होंने सपा में वापस जाने की बात से साफ मना किया।

भाजपा की नीतियों की आलोचना करते हुए उन्होंने कहा कि चुनावी माहौल है और भारतीय जनता पार्टी ने नौजवानों को बेरोजगार बनाने का काम किया है। उन्होंने कहा कि जीएसटी और ईडी के माध्यम से व्यापारियों की कमर तोड़ दी गई है। सरकार ने किसानों को लाभ पहुंचाने की बात कही थी, लेकिन किसानों को लाभ तो पहुंचा नहीं, बल्कि उनके रास्ते में कील कांटे बिछाए गए। उनके साथ दुश्मनों जैसा व्यवहार किया गया।

राहुल भी दें पार्टी को मिले बॉण्ड की जानकारी

» हफ्ता वसूली वाले बयान पर बिफरे अमित शाह

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल की चुनावी बॉन्ड को लेकर की गई टिप्पणी पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पलटवार किया है। दरअसल, राहुल ने चुनावी बॉन्ड को हफ्ता वसूली करार दिया था। इस पर अमित शाह ने कहा कि कांग्रेस नेता को यह साफ करना होगा कि उनकी पार्टी को 1,600 करोड़ रुपये कहां से मिले? शाह ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में कहा कि राहुल गांधी को भी 1,600 करोड़ रुपये मिले थे।

उन्हें स्पष्ट करना चाहिए कि उन्हें हफ्ता वसूली कहां से मिली। हम दावा करते हैं कि यह एक पारदर्शी चंदा है, लेकिन अगर वह इसे वसूली कहते हैं, तो उन्हें विस्तार से बताना चाहिए।यह पूछे जाने पर कि क्या भाजपा अन्य पार्टियों की तरह अपने दानदाताओं की सूची का खुलासा करेगी? शाह ने जवाब दिया कि मैं आपको आश्वासन देता हूं कि एक बार जानकारी सामने आने के बाद विपक्षी गठजोड़ को जनता का सामना करना मुश्किल हो जाएगा। शाह ने कहा कि चुनावी बॉन्ड भारतीय राजनीति में काले धन को खत्म करने के लिए लाए गए थे। अब जब यह व्यवस्था खत्म कर दी गई है तो मुझे काले धन की वापसी का डर है।

अल्पसंख्यकों को दबाने के लिए आया सीएए : ओवैसी

पुणे। एआईएमआईएम चीफ असदुद्दीन ओवैसी ने सीएए, एनआरसी और एनपीआर को दलित विरोधी करार दिया है। उन्होंने कहा कि सीएए, एनआरसी और एनपीआर केवल अल्पसंख्यकों, आदिवासियों और दलितों को परेशान करने के लिए और उन्हें दबाने के लिए लाए जा रहे हैं। छत्रपति संभाजीनगर में अपनी पार्टी के नेताओं के साथ एक बैठक के बाद ओवैसी ने यह टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर और एनआरसी को सीएए के आलोक में देखा जाना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि ये कदम अल्पसंख्यकों, दलितों और आदिवासियों को उनके अपने देश में परेशान करने के एकमात्र मकसद से लाए जा रहे हैं। उन्होंने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि बीजेपी के एक मंत्री पहले ही कह चुके हैं कि देश में एनआरसी और एनपीआर लागू किया जाएगा। इस दौरान हिमंता बिस्वा सरमा पर आरोप लगाते हुए ओवैसी ने कहा कि असम के मुख्यमंत्री कहते हैं कि सीएए के माध्यम से हिंदुओं को नागरिकता दी जाएगी। लेकिन अल्पसंख्यक समुदाय के 1.5 लाख लोगों को केस लड़ना होगा। भारत में केवल 5 प्रतिशत लोग पासपोर्ट धारक हैं। यह अल्पसंख्यकों, एससी और एसटी को परेशान करने के लिए किया जा रहा है। इस दौरान उन्होंने अपना रुख स्पष्ट करते हुए केंद्र से सवाल भी किया।

उम्मीद की किरण..... बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

किसी बी टीम से नहीं डरता : उमर

» जम्मू-कश्मीर में नया गठबंधन बनने से कोई फर्क नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जम्मू-कश्मीर। जम्मू कश्मीर में एक नया गठबंधन बनने के संकेतों पर नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने कहा कि उनकी पार्टी लोकसभा चुनाव के लिए तैयार है। उन्होंने बिना भाजपा का जिक्र किए कहा कि बी-टीम हो, सी-टीम हो या डी-टीम हो, वे मिल सकते हैं। उमर अब्दुल्ला ने कहा कि यह पहली बार नहीं है कि जम्मू-कश्मीर के लोग यह देखेंगे कि सब मिल कर नेशनल कॉन्फ्रेंस को हराने के लिए एक साथ आए... इस बार भी जिसे मिलना है चाहे वह बी-टीम हो, सी-टीम हो या डी-टीम हो, वे मिल सकते हैं हम इस चुनाव के लिए तैयार हैं।

जम्मू कश्मीर के पूर्व वित्त मंत्री अल्ताफ बुखारी की जम्मू-कश्मीर अपनी पार्टी (जेकेएपी) और पूर्व मुख्यमंत्री गुलाम नबी आजाद की पार्टी डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव आजाद पार्टी (डीपीएपी) ने प्रदेश में चुनाव पूर्व गठबंधन के लिए समान विचारधारा वाले दलों के साथ चर्चा के लिए तैयार होने का इशारा दिया है। अल्ताफ बुखारी के नेतृत्व वाली अपनी पार्टी के महासचिव मोहम्मद रफी मीर के अनुसार, पार्टी ने समान विचारधारा वाले दलों से बात करने का प्रस्ताव पेश किया है। ऐसे दल जो जम्मू-कश्मीर के लोगों की समृद्धि के लिए काम करना चाहते हैं, वे उन्हें आमंत्रित कर सकते हैं।मीर ने कहा कि पार्टी अन्य समान विचारधारा वाले दलों को आमंत्रित कर जम्मू-कश्मीर के लोगों के लाभ के लिए गठबंधन को एक आकार देने का प्रयास करेगी और एक साथ चुनाव लड़ेंगे।

धीरे-धीरे सीटों पर बनने लगी बात!

बिहार से लेकर कर्नाटक तक गठबंधनों में बात-चीत सुलझी

» महाराष्ट्र में महा विकास अघाड़ि व महायुति में टकरार

» दक्षिण राज्यों कांग्रेस का सहयोगियों के साथ उम्दा सामंजस्य

» चुनावों के प्रचार में जुटेंगी सियासी पार्टियां

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव-2024 के पहले चरण के नामांकन के लिए आज अधिसूचना जारी हो गई। इसी के साथ राजनीतिक हलकों में भी उठापटक तेजी पर पहुंच गई। बीजेपी से लेकर कांग्रेस व अन्य दलों ने लोक सभा चुनाव के लिए अपने तरकश के सभी तीरों को तराशाना शुरू कर दिया। बड़े-बड़े दिग्गज से लेकर छोटे दलों के खिलाड़ी अपने-अपने दावे के साथ आगे बढ़ने में लगे हुए है। जहां राज्यपाली छोड़कर सुंदरराजन चुनाव लड़के की तैयारी में हैं। तो राजग के सहयोगी चिराग पासवान हाजीपुर से लड़ने की घोषण कर दी है।

उधर बिहार ही में पप्पू यादव ने महागठबंधन से लड़ने की घोषणा की है। तो वही महाराष्ट्र में माथापच्ची बनी हुई है। महायुति व अहाविकास अघाड़ि सीटों के बंटवारे में अबभी पिडछे हुए हैं। वहीं कल दिल्ली में अमित शाह से राज ठाकेर के मुलाकात के बाद भी वहां सियासत बदली हुई नजर आ रही है। उधर इस चरण में 21 राज्यों की 102 सीटों पर 19 अप्रैल को मतदान होगा। इन सीटों पर उम्मीदवार 27 मार्च तक नामांकन पत्र दाखिल कर सकेंगे। नामांकन पत्रों की जांच 28 मार्च को होगी और 30 मार्च तक नाम वापस लिए जा सकेंगे। बिहार में होली के चलते नामांकन पत्र 28 मार्च तक दाखिल किए जा सकेंगे।

अरुणाचल विस के लिए राकांपा ने नौ उम्मीदवारों की दूसरी सूची जारी की

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) की अरुणाचल प्रदेश की इकाई ने राज्य की 60 विधानसभा सीटों पर 19 अप्रैल को होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए उम्मीदवारों की दूसरी सूची की घोषणा की है। इसमें नौ उम्मीदवारों के नामों का एलान किया गया है। मंगलवार को नौ उम्मीदवारों के नामों की घोषणा के साथ पार्टी ने अब तक 60 सदस्यीय विधानसभा में 17 उम्मीदवार उतारे हैं। इससे पहले 11 मार्च को पार्टी ने आठ उम्मीदवारों की पहली सूची जारी की थी। पार्टी ने दूसरी सूची में याचुली सीट से टोको तातुंग, रमगोंग से ताहान मिबांग, टुटिंग-यिंगकिओंग से कबांग तारोन, पासीघाट पश्चिम से तापी गाओ, लेकांग से लिखा सोनी, बोरदुमसा-दियुन से निख कामिन, खोंसा पश्चिम से यांगसेन माटे, बोरदूरिया-बोगापानी से जोवांग होसाई और पोंगचौ-वक्का से होलाई वांगसा को उम्मीदवार बनाया है।

द्रमुक ने जारी किया अपना विजन, पूरे तमिलनाडु का करेंगे विकास

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री और डीएमके प्रमुख एमके स्टालिन ने कहा, यह द्रमुक चुनाव से पहले जो अपने घोषणापत्र में कहती है, हम उसे ही करते हैं, हमारे नेताओं ने हमें यही सिखाया है। जैसा कि कनिमोझी ने कहा, हम पूरे राज्य में गए और विभिन्न लोगों की बातें सुनीं। यह न केवल द्रमुक का घोषणापत्र है बल्कि लोगों का घोषणापत्र है। 2014 में जब भाजपा सत्ता में आई तो उन्होंने भारत को बर्बाद कर दिया। कोई भी चुनावी वादा पूरा नहीं हुआ। हमने इंडिया गठबंधन बनाया है और हम 2024 में अपनी सरकार बनाएंगे। हमारे घोषणापत्र में हमने तमिलनाडु के लिए विशेष योजनाओं की घोषणा की है और इस घोषणापत्र में हर जिले के लिए योजनाएं दी गई हैं।

भाजपा में शामिल हुईं तमिलसाई सुंदरराजन लड़ेंगी चुनाव

तेलंगाना के राज्यपाल पद से इस्तीफा देने के दो दिन बाद तमिलसाई सुंदरराजन बुधवार को फिर से भाजपा में शामिल हो गईं। इस दौरान उन्होंने कहा कि %मैं चुनाव लड़ना चाहती हूं और मैंने पार्टी को भी अपनी इच्छा बता दी है। सदस्यता कार्ड पाकर मैं खुश हूं और यह मेरे लिए खुशी का दिन है।

पलानीस्वामी ने दी एआईएडीएमके के सीट बंटवारे की जानकारी

एआईएडीएमके के महासचिव ई. पलानीस्वामी नं जानकारी देते हुए कहा कि गठबंधन में तेनकासी निर्वाचन क्षेत्र से डीएमडीएमके को पांच सीटों पर, एसडीपीआई को एक सीट पर और पुथिया तमिलगम को एक सीट दी गई है।

लालू-तेजस्वी से मिले पप्पू यादव

कभी पप्पू यादव लालू यादव और उनके परिवार के बेहद करीबी थे। हालांकि, बाद में रिश्तों में बड़ी दरार देखने को मिली। जन अधिकार पार्टी के प्रमुख पप्पू यादव ने राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव और पार्टी नेता तेजस्वी यादव से मुलाकात पर कहा कि लालू यादव और मेरे बीच राजनीतिक रिश्ता नहीं है, यह पूरी तरह से भावनात्मक रिश्ता है। पूर्व सांसद और जन अधिकार पार्टी (लोकतांत्रिक) पार्टी के प्रमुख पप्पू यादव के बहुप्रतीक्षित लोकसभा चुनाव 2024 से पहले इंडिया ब्लॉक में शामिल होने की संभावना है। पप्पू यादव ने राष्ट्रीय जनता दल

(आरजेडी) सुप्रीमो लालू यादव और बिहार के पूर्व डिप्टी सीएम तेजस्वी से मुलाकात की। यादव पटना में हैं और उनके मधेपुरा निर्वाचन क्षेत्र से राजद के टिकट पर आगामी चुनाव लड़ने की संभावना है। इसके अलावा पूर्णिया से भी उनका नाम चर्चा में है। लालू यादव और तेजस्वी से मुलाकात के बाद पप्पू यादव और लालू परिवार के बीच रिश्तों पर जमी बर्फ पिघली दिखाई दे रही है। कभी पप्पू यादव लालू यादव और उनके परिवार के बेहद करीबी थे। हालांकि, बाद में रिश्तों में बड़ी दरार देखने को मिली। जन अधिकार पार्टी के प्रमुख पप्पू यादव ने राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव और पार्टी नेता तेजस्वी यादव से मुलाकात पर कहा कि लालू यादव और मेरे बीच राजनीतिक रिश्ता नहीं है, यह पूरी तरह से भावनात्मक रिश्ता है। कल हम सब एक साथ बैठे थे।

कर्नाटक में भाजपा, जेडीएस में सीट बंटवारे का विवाद सुलझा

कर्नाटक में आगामी लोकसभा चुनाव के लिए भाजपा का जेडीएस से सीटों के बंटवारे पर विवाद सुलझ गया है। सूत्रों की मानें तो कोलार सीट भी जेडीएस को दी जाएगी। बीजेपी जेडीएस को मांड्या और हासन के साथ कोलार सीट भी देगी। जेडीएस तीन से चार सीटों पर दावा कर रही थी। इस तरह बीजेपी ने जेडीएस को तीन सीटें दी हैं। बेंगलुरु ग्रामीण पर देवेगौड़ा के दामाद को बीजेपी ने अपना उम्मीदवार बनाया है। भाजपा के साथ सीट बंटवारे के मुद्दे पर नाखुशी जताने के एक दिन बाद मंगलवार को जनता दल (सेक्युलर) के

नेता एचडी. कुमारस्वामी ने कहा कि इसका मतलब यह नहीं है कि दोनों पार्टियों के बीच विश्वास की कमी है। पूर्व मुख्यमंत्री ने जोर देकर कहा कि भाजपा और जद (एस) के बीच संबंधों में मतभेद नहीं है, वहीं, उन्होंने यह भी उम्मीद जताई है कि जद (एस) को कोलार सीट देने का मुद्दा भी हल हो जाएगा। जद(एस) के प्रदेशाध्यक्ष कुमारस्वामी ने कहा, कल पार्टी की कोर कमेटी के सदस्यों और नेताओं की बैठक हुई, जिसके बाद मैंने भाजपा और जद(एस) के बीच 28 लोकसभा सीटों में मिलजुलकर, भरोसे के साथ काम करने के संबंध में संवादहीनता को लेकर हमारी पार्टी में हुई चर्चा के बारे में जानकारी साझा की। जैसा कि मैंने सीट बंटवारे के संबंध में कल कहा था कि हमने शुरू से ही तीन सीटें मांगी हैं, लेकिन भाजपा की ओर से, चाहे वह उसका आलाकमान हो या राज्य का कोई नेता हो उन्होंने अभी तक हमारे चुनाव लड़ने के लिए सीटों की निर्दिष्ट संख्या के बारे में कोई स्पष्ट जानकारी नहीं दी है।

कर्नाटक में बीजेपी उम्मीदवारों की पहली सूची से पार्टी के कुछ नेता असंतुष्ट

बीजेपी ने लोकसभा चुनाव 2024के लिए कर्नाटक से 20 उम्मीदवारों की पहली लिस्ट जारी कर दी है लेकिन इसके बाद से राज्य में पार्टी के भीतर हलचल का माहौल बना हुआ है। इतना ही नहीं कई नाखुश नेताओं ने दावा किया है कि वो कांग्रेस में शामिल हो जाएंगे। पूर्व उपमुख्यमंत्री केएस ईश्वरप्पा और आरएसएस समर्थक ने पार्टी से बगावत कर दी है। ईश्वरप्पा ने पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा संसदीय बोर्ड के सदस्य बीएस येदियुरप्पा के खिलाफ पूरी ताकत लगा दी, क्योंकि एक हफ्ते पहले जारी की गई उम्मीदवारों की सूची में उनके बेटे केई कांतेश अपनी जगह नहीं बना पाए. बता दें कि कर्नाटक में 28 लोकसभा सीटें हैं। बीजेपी ने अपने बेटे के लिए हावेरी लोकसभा सीट चाहते थे लेकिन पार्टी ने वहां से मौजूदा विधायक और पूर्व मुख्यमंज्ञी बसवराज बोम्मई को मैदान में उतारा है। बेटे को टिकट न मिलने की वजह से परेशान ईश्वरप्पा ने घोषणा की कि वह कर्नाटक में वंशवादी राजनीति के विरोध में येदियुरप्पा के बड़े बेटे बी वाई विजयेंद्र के खिलाफ शिवमोग्गा से चुनाव लड़ेंगे। ईश्वरप्पा ने कहा है कि कि कर्नाटक में बीजेपी की हालत खराब है। लोग और कार्यकर्ता बीजेपी के पक्ष में हैं लेकिन यहां की व्यवस्था खराब है, हमारे नरेंद्र मोदी जी क्या कह रहे हैं? कांग्रेस पार्टी एक परिवार के हाथ में है, राहुल गांधी, सोनिया गांधी... सेंट्रल कांग्रेस को एक परिवार कंट्रोल करता है, कर्नाटक में भी ऐसी ही स्थिति है। कर्नाटक बीजेपी एक परिवार के नियंत्रण में हैं और हमें इसका विरोध करना होगा।

हाजीपुर सीट से चिराग ही लड़ेंगे चुनाव

बिहार के नेता चिराग पासवान ने कहा है कि ये साफ है कि मैं हाजीपुर सीट से लोजपा (रामविलास) के उम्मीदवार और एनडीए उम्मीदवार के तौर पर चुनाव लडूंगा, लेकिन अगर वे (पशुपति कुमार पारस) भी वहां से चुनाव लड़ना चाहते हैं तो उनका स्वागत है, मैं कभी भी किसी चुनौती से नहीं घबराया हूं और इस चुनौती को भी स्वीकार करता हूं। अब ये फैसला चाचा को करना है। वहीं लोकसभा चुनाव की तैयारियों पर लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) अध्यक्ष चिराग पासवान ने कहा, हम बिहार कूच कर जाएंगे। उससे पहले केंद्रीय संसदीय दल की बैठक करके कई ऐसे प्रस्ताव

पारित करेंगे जिसका पारित होना जरूरी है। कई ऐसे फैसले हैं जो लिए जाने जरूरी हैं उन्हीं तमाम बातों को मद्देनजर रखते हुए आज संसदीय दल की बैठक बुलाई गई है...4-5 दिनों के भीतर ही प्रत्याशियों की सूची सामने आ जाएगी।

जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

शीर्ष अदालत का जनहित में एक और फैसला

यह फैसला आम जन को आने वाले समय में लाभ पहुंचा सकता है। ऐसा देखने में आता है कि संदेह का लाभ उठाकर कई अपराधी सजा से बच जाते हैं या ऐसा कहे कि उनपर आरोप ही तय नहीं हो पाते थे। पर अब इस फैसले के बाद आरोपियों में डर होने की संभावना होगी तो उससे अपराध कम होने में मदद मिलेगी।

सुप्रीम कोर्ट ने एकबार फिर एक जनहित फैसला सुनाया है। उसने कहा है कि अपराध में आरोपी की भूमिका के बारे में मजबूत संदेह होने पर भी आरोप तय करना उचित है। यह फैसला आम जन को आने वाले समय में लाभ पहुंचा सकता है। ऐसा देखने में आता है कि संदेह का लाभ उठाकर कई अपराधी सजा से बच जाते हैं या ऐसा कहे कि उनपर आरोप ही तय नहीं हो पाते थे। पर अब इस फैसले के बाद आरोपियों में डर होने की संभावना होगी तो उससे अपराध कम होने में मदद मिलेगी। उधर कोर्ट ने 46 पन्ने के फैसले में कहा, ''यहां तक कि रिकॉर्ड पर मौजूद सामग्री के आधार पर एक मजबूत संदेह भी, जो किसी अपराध के तथ्यात्मक तत्वों के अस्तित्व को मानने के लिए आधार है, आरोपी व्यक्ति के खिलाफ आरोप तय करने को उचित ठहराएगा। उच्चतम न्यायालय ने व्यवस्था दी कि रिकॉर्ड पर मौजूद सामग्री के आधार पर किसी अपराध में आरोपी की भूमिका की धारणा देने वाला मजबूत संदेह भी एक आपराधिक मामले में आरोप तय करने को उचित ठहराएगा।

न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति के.वी. विश्वनाथन की पीठ ने आय से अधिक संपत्ति के मामले में आरोप तय करने को रद्द करने से इनकार करते हुए कहा कि शीर्ष अदालत से मुकदमे के पूर्वाभ्यास की अपेक्षा नहीं की जानी चाहिए, वह भी तब जब मामला प्रारंभिक चरण में है, जहां निचली अदालत ने केवल आरोप तय किए हैं। पीठ ने कहा हमें इस स्तर पर मुकदमे का पूर्वाभ्यास नहीं करना है। इस अदालत के विभिन्न फैसलों के जरिये आरोप मुक्त करने के लिये लागू होने वाले परीक्षण स्पष्ट किए गए हैं। शीर्ष अदालत दिल्ली उच्च न्यायालय के फैसले को चुनौती देने वाली पुनीत सभरवाल और आरसी सभरवाल द्वारा दायर अपील पर सुनवाई कर रही थी। उच्च न्यायालय ने उनके खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोप तय करने के निचली अदालत के 2006 के आदेश को रद्द करने से इनकार कर दिया था। शीर्ष अदालत ने याचिकाओं को स्वीकार करने से इनकार करते हुए निचली अदालत को पिछले 25 वर्षों से लंबित मुकदमे की सुनवाई में तेजी लाने का निर्देश दिया। पिछले कुछ दिनों से उच्चतम न्यायालय जनता के फेवर में कई फैसले दे रहा है इससे पता चलता है कि सुप्रीम कोर्ट पर लोगों का विश्वास बढ़ा है। वैसे भी देखा गया है कि जब आम आदमी न्याय की गुहार हर चौखट पर लगा चुका होता है और वह इंसाफ नहीं पाता है तो अदालतों के दरवाजे खटखटाता है। ऐसा वह सिर्फ इसलिए करता है क्योंकि उसको यकीन होता है कि वह वहां से पूरी से न्याय पाएगा।

संजय

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

दावों-वादों-गारंटियों की पड़ताल भी करे मतदाता

विश्वनाथ सचदेव

चुनाव आयोग द्वारा आम-चुनाव की घोषणा के साथ ही चुनावी दंगल शुरू हो चुका है। जुलूस, नारे, नेताओं के बयान, रोड शो आदि का शोर जोरों से सुनाई देने लगा है। इस सबको चुनाव की विधिवत शुरुआत भले ही कह लें, पर हकीकत यह है कि अब हमारे देश में चुनाव शुरू नहीं होते, चलते रहते हैं। एक अनवरत प्रक्रिया बन गये हैं चुनाव और इस प्रक्रिया के बनने में सबसे बड़ा योगदान सत्तारूढ़ दल भाजपा और हमारे प्रधानमंत्री का है। देखा जाए तो यह स्थिति अपने आप में कुछ गलत भी नहीं है, आखिर चुनाव जनतंत्र का उत्सव होते हैं, और ईमानदारी से लड़ी गई चुनावी लड़ाई जनतंत्र की सफलता और सार्थकता को ही प्रमाणित करते हैं। पर हमारी हकीकत यह भी है कि चुनाव में सब कुछ कहने-करने को स्वीकार्य मान लिया गया है। सिद्धांतहीन राजनीतिक समझौते और आधारहीन दावे और खोखले वादे दुर्भाग्य से हमारे जनतंत्र की एक पहचान बनते जा रहे हैं। इसलिए जरूरी है कि जनता इन दावों-वादों, गारंटियों की पड़ताल करती रहे।

ऐसा ही एक दावा विकास का है। इसमें कोई संदेह नहीं कि विकास के मोर्चे पर हमने कई सफलताएं अर्जित की हैं। देश में सड़कों का निर्माण जिस गति से हो रहा है, वह अपने आप में किसी उपलब्धि से कम नहीं है। रेल-मार्गों का विकास और रेलगाड़ियों की संख्या में वृद्धि भी ऐसी ही एक सफलता है। रक्षा और वैज्ञानिक अनुसंधान के क्षेत्र में भी हम लगातार तरक्की कर रहे हैं। चंद्रमा और मंगल तक की हमारी उड़ानें किसी भी भारतीय के मन में गर्व का अहसास जगा सकती है। विकास के इस संदर्भ में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के आंकड़े भरोसा दिलाने वाले हैं। लगभग साढ़े आठ प्रतिशत जीडीपी का आंकड़ा बहुत कुछ कहता है। लेकिन विकास की सार्थकता तभी बनती है जब यह विकास बेहतर जिंदगी में परिवर्तित हो। बेहतर जिंदगी का मतलब है हर क्षेत्र में आज बीते हुए कल से बेहतर दिखाई दे और आने वाले कल के लिए उम्मीदें जगाने वाला हो। यह सही है कि हमारा जीडीपी एक सम्मानजनक स्तर पर है।

यह भी सही है कि वैश्विक अर्थव्यवस्था के संदर्भ में हम दुनिया के अनेक देशों से कहीं आगे हैं। आज हमारी अर्थ-व्यवस्था दुनिया की पांचवीं बड़ी अर्थ-व्यवस्था है। हमारा लक्ष्य पांचवें से तीसरे पायदान पर पहुंचने का है। पर सवाल वही है-विकास की यह

गति बेहतर जिंदगी में परिवर्तित हो रही है या नहीं? जनवरी, 2024 में हमारी बेरोजगारी दर 6.8 प्रतिशत थी। फरवरी में यह प्रतिशत बढ़कर आठ हो गया। थोड़ा-सा और खंगालें तो पता चलता है इस संदर्भ में ग्रामीण क्षेत्र की स्थिति और बुरी है। वहां बेरोजगारी का प्रतिशत क्रमशः 5.8 और 7.8 था। इसमें कोई संदेह नहीं कि शहरी क्षेत्र में इस दौरान यह आंकड़ा 8.9 प्रतिशत से कम होकर 8.5 प्रतिशत हो गया था। पर हमें यह भी नहीं भूलना चाहिए कि हमारा दो-तिहाई क्षेत्र ग्रामीण क्षेत्र में आता है। महंगाई के आंकड़े भी कुछ ऐसा ही चित्र प्रस्तुत करते हैं। महंगाई और बेरोजगारी का यह मुद्दा आम-चुनाव का बड़ा मुद्दा बनना चाहिए था। पर अभी तक विपक्ष इसे बड़ा मुद्दा बनाने में सफल नहीं हो पाया है। वास्तविकता तो यह है कि चुनावी मुद्दों के नाम पर अनावश्यक मुद्दे उछाले जा रहे हैं। एक उदाहरण देखें-मुंबई की एक सभा में कांग्रेस के नेता राहुल गांधी ने 'एक शक्ति' का मुकाबला करने की बात कही। उनका आशय गलत ताकतों से लड़ने का रहा होगा। पर दूसरे ही दिन सत्तारूढ़ पक्ष ने इस 'शक्ति' को 'शक्ति की देवी' से जोड़ दिया। प्रधानमंत्री ने दक्षिण भारत की एक चुनावी सभा में घोषणा कर दी कि वे नारी-शक्ति की रक्षा के लिए अपनी जान तक न्योछावर कर देंगे। उन्हें महारत हासिल है इस तरह के मुद्दे लपकने में और इसका लाभ उठाने में। पिछले दो आम-चुनावों में हमने देखा था कि कैसे 'चायवाला' और 'नीच' शब्द उनके लिए चुनावी-वरदान बन गया था। होना तो यह चाहिए कि चुनाव में सत्तारूढ़ पक्ष अपनी उपलब्धियों का लेखा-जोखा मतदाता के समक्ष रखे और विपक्ष सत्तारूढ़ पक्ष की कमियों-असफलताओं को उजागर करके बेहतर नीतियों के आधार पर वोट मांगे, लेकिन हो यह रहा है कि आकर्षक वादों और आधारहीन दावों के बल पर चुनाव लड़ा-लड़ाया जा रहा है।

ऐसे में मतदाता का दायित्व बनता है कि वह सत्ता के लिए लड़ने वाले राजनेताओं और राजनीतिक दलों से उनके दावों-वादों के आधार के बारे में पूछे। उनसे कहे कि आकर्षक शब्दों और लोक-लुभावन शैली से उसे भरमाने की कोशिश नहीं होनी चाहिए। और न ही राजनीतिक दलों को यह मानना चाहिए कि मतदाता उनकी मुट्ठी में है। आज देश के मतदाता को सत्तारूढ़ पक्ष और विपक्ष दोनों से पूछना है कि उसकी बेहतरी के लिए उसके पास क्या योजना है? विकास जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने वाली प्रक्रिया का नाम है।

प्रतिकूल वातावरण से विलुप्ति के कगार पर

दरअसल, हमने धरती, जल, वायु प्रकृति के इन सभी तत्वों को इस कदर प्रदूषित कर दिया है कि इसका दुष्प्रभाव अब मनुष्य के अलावा धरती पर विद्यमान तमाम जीव-जंतुओं और पशु-पक्षियों को भुगतना पड़ रहा है। गौरैया की तेजी से घटती संख्या को देखते हुए गौरैया के अलावा शहरी वातावरण में रहने वाले आम पक्षियों के संरक्षण के प्रति भी जागरूकता लाने के उद्देश्य से वर्ष 2010 से प्रतिवर्ष 20 मार्च को विश्व गौरैया दिवसज् मनाया जाता है।

योगेश कुमार गोयल

नन्ही-सी प्यारी गौरैया दो दशक पहले तक हर कहीं झुंड में उड़ती देखी जाती थी लेकिन अब यह दुर्लभ पक्षी की श्रेणी में आ गई है। भारत के अलावा यूरोप के कई हिस्सों में भी इनकी संख्या काफी कम रह गई है। गौरैया को नीदरलैंड में तो दुर्लभ प्रजाति की श्रेणी में रखा गया है। जर्मनी, ब्रिटेन, इटली, फ्रांस, चेक गणराज्य इत्यादि कुछ अन्य देशों में भी गौरैया की संख्या तेजी से घट रही है। पश्चिमी देशों में इनकी आबादी घटकर खतरनाक स्तर तक पहुंच गई है। दुनियाभर में गौरैया की कुल 26 प्रजातियां पाई जाती हैं, जिनमें से पांच भारत में मिलती हैं। ब्रिटेन की रॉयल सोसायटी ऑफ प्रोटेक्शन ऑफ बर्ड्सज् ने भारत सहित दुनिया के अन्य हिस्सों में अध्ययनों के आधार पर गौरैया को रेड लिस्टज् में डाला है।

रेड लिस्टज् में उन जीव-जंतुओं या पक्षियों को डाला जाता है, जिन पर विलुप्त होने का खतरा मंडरा रहा होता है। भारतीय उपमहाद्वीप में गौरैया की कुल छह प्रजातियां हाउस स्पैरो, स्पेनिश स्पैरो, डैड सी अथवा अफगान स्क्रब स्पैरो, ट्री स्पैरो अथवा यूरेशियन स्पैरो, सिंध स्पैरो तथा रसेट अथवा सिनेमन स्पैरो पाई जाती हैं। भारत में गौरैया की आबादी में 60 फीसदी के आसपास कमी आई है। इंडियन काउंसिल ऑफ एग्रीकल्चरल रिसर्च के सर्वेक्षण के अनुसार गौरैया की संख्या आंध्र प्रदेश में करीब 80 फीसदी तथा केरल, गुजरात, राजस्थान जैसे राज्यों में 20 फीसदी तक कम हो चुकी है। इसके अलावा तटीय क्षेत्रों में इनकी संख्या 70 से 80 फीसदी तक कम होने का अनुमान है। पर्यावरणविदों का कहना है कि अगर गौरैया के संरक्षण के लिए समय रहते ठोस प्रयास नहीं किए गए तो संभव है कि नन्ही-सी चिड़िया गौरैया इतिहास का प्राणी बनकर रह जाए। दरअसल, हमने धरती, जल, वायु प्रकृति के इन सभी तत्वों को इस कदर प्रदूषित कर दिया है कि इसका दुष्प्रभाव अब मनुष्य के अलावा धरती पर विद्यमान तमाम जीव-जंतुओं और पशु-पक्षियों को भुगतना पड़ रहा है। गौरैया की तेजी से घटती संख्या को देखते हुए गौरैया के अलावा शहरी वातावरण में रहने वाले आम पक्षियों के संरक्षण के प्रति भी जागरूकता लाने के उद्देश्य से वर्ष 2010 से प्रतिवर्ष 20 मार्च को विश्व गौरैया दिवसज् मनाया जाता है।

गौरैया की तेजी से घटती संख्या को देखते हुए दिल्ली सरकार द्वारा इसे वर्ष 2012 में राज्य-पक्षी घोषित कर दिया गया था, बिहार का भी यह राजकीय पक्षी है। अपने निहित स्वार्थों के चलते हमने जंगल उजाड़ दिए। वहीं प्रकृति का संतुलन चक्र बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते रहे जीव-जंतुओं और पक्षियों की अनेक प्रजातियों को मारकर, उनका शिकार करके या उनके आशियाने उजाड़कर उनके अस्तित्व पर संकट पैदा कर दिया है।

गौरैया की चहचहाहट अब कहीं गायब हो गई है। भोजन तथा पानी की कमी, पक्के मकान बनने से घोसलों के लिए उचित स्थानों की कमी, तेजी से कटते पेड़-पौधे, हमारी बदलती जीवनशैली, मोबाइल रेडिएशन का दुष्प्रभाव, तापमान में लगातार होती बढ़ोतरी इत्यादि कई ऐसे प्रमुख कारण हैं, जो गौरैया की विलुप्ति का कारण बन रहे हैं। खेतों में कीटनाशकों के बढ़ते प्रयोग से भी इनके अस्तित्व पर काफी बुरा असर पड़ रहा है। पर्यावरणविदों के मुताबिक गौरैया काकून, बाजरा, धान, पके हुए चावल के दाने इत्यादि खाती है। किन्तु अत्याधुनिक शहरीकरण के कारण उसके प्राकृतिक भोजन के स्रोत खत्म होते जा रहे हैं, उनके आशियाने उजड़ रहे हैं। नये जमाने के बन रहे घरों में गौरैया के घोसले बनाने की जगह ही नहीं रही है। अब ग्रामीण इलाकों में भी घर बनाने के तरीके बदल गए हैं। अब शहर हों या गांव, हर कहीं मोबाइल फोन के लिए बड़े-बड़े टॉवर लगे हैं।

इन टावरों से निकलने वाला रेडिएशन गौरैया की लगातार घटती संख्या का बड़ा जिम्मेदार कारण है। दरअसल, इन टावरों से निकलने वाली इलेक्ट्रो मैग्नेटिक किरणें इस छोटे से पक्षी को उत्तेजित करती हैं, जिससे उनकी प्रजनन क्षमता बहुत कम हो जाती है और वह दिशाभ्रम की शिकार भी होती है। पर्यावरणविदों के अनुसार गौरैया अधिकांशतः छोटे-छोटे झाड़ीनुमा झुरमुट वाले वृक्षों पर रहती हैं लेकिन विकास की अंधी दौड़ में गौरैया सहित अन्य पक्षियों के आशियाने भी उजड़ गए हैं। लोग अपने घरों में गौरैया के घोसले को बसने से पहले ही उजाड़ देते हैं। पक्षी विज्ञानी कहते हैं कि गौरैया को फिर से बुलाने के लिए लोगों को अपने घरों में कुछ ऐसे स्थान उपलब्ध कराने चाहिए, जहां वे आसानी से घोसले बना सकें। ताकि वे इन घोसलों में उनके अंडे तथा बच्चे हमलावर पक्षियों से सुरक्षित रह सकें। प्रकृति संतुलन तथा पर्यावरण संरक्षण के लिए आज समय की सबसे बड़ी मांग है कि हम पक्षियों के लिए वातावरण को उनके प्रति अनुकूल बनाने में सहायक बनें। बहरहाल, प्रकृति का संतुलन बनाए रखने में हमारी सहभागी रही गौरैया के संरक्षण के लिए लोगों में बड़े स्तर पर जागरूकता पैदा किए जाने की सख्त जरूरत है।

चेहरे की चमक

बढ़ाएंगे चीनी से बने ये स्क्रब

आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी का असर सीधा लोगों के शरीर पर पड़ता है। व्यस्त लाइफस्टाइल की वजह से लोगों की त्वचा भी काफी डल लगने लगती है। ऐसे में बदलते मौसम में त्वचा का खास ध्यान रखना बेहद जरूरी हो जाता है। अगर बदलते मौसम में ही त्वचा का ध्यान ना रखा जाए तो स्किन काफी ड्राई और डल होने लगती है। बहुत से लोग चेहरे को चमकाने के लिए तमाम तरह के महंगे प्रोडक्ट का इस्तेमाल करते हैं, लेकिन कई बार इसका असर ज्यादा दिनों तक दिखाई नहीं देता। इन प्रोडक्ट्स में मौजूद तत्व कई बार त्वचा को फायदा पहुंचाने की बजाय नुकसान पहुंचा देते हैं। तो घर पर ही चीनी से बने कुछ खास तरह के स्क्रब तैयार कर सकते हैं जिससे त्वचा भी बिना ज्यादा पैसे खर्च किए घर पर ही ग्लो कर सके। इन स्क्रब को बनाने के लिए आपको ज्यादा कुछ करने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

ग्रीन टी और चीनी

ग्रीन टी में तमाम तरह के ऐसे तत्व पाए जाते हैं, जो त्वचा को ग्लोइंग बनाने में मददगार रहते हैं। अगर आप इसकी मदद से स्क्रब बनाएंगे तो चेहरे पर पिंपल्स की परेशानी भी खत्म होगी। इसे बनाने के लिए एक छोटे बाउल में ग्रीन टी लें, इसमें एक चम्मच चीनी मिलाएं। अब इस पेस्ट से चेहरे पर मसाज करें और कुछ देर के बाद चेहरे को धो दें। ग्रीन टी पीने से कम उम्र में ही एजिंग के लक्षणों को काफी हद तक रोका जा सकता है। ग्रीन टी में मौजूद पॉलीफेनॉल्स प्रीमैच्योर एजिंग के लक्षणों को कम कर सकते हैं। इसमें मौजूद कैटेचिन नामक कम्पाउंड डेड स्किन सेल्स को भी हटाते हैं, जिससे स्किन ग्लो करती है। हेल्दी रहती है। ग्रीन टी में विटामिन बी2 अधिक होता है, जो कोलेजन का निर्माण करता है। कोलेजन स्किन को स्वस्थ रखने के लिए आवश्यक होता है।

टमाटर और चीनी

ये स्क्रब सबसे आसान तरीके से बन जाता है। इसे बनाने के लिए बस टमाटर को आधा काटकर उसके ऊपर चीनी रखें और इससे स्क्रब करें। हल्के हाथ से स्क्रब करने के बाद चेहरे को धो लें। टमाटर में एंटी-ऑक्सीडेंट, एंटी-एजिंग गुण होते हैं। यह त्वचा की गहराई से सफाई करके उसे पोषित करने में मदद करता है। इससे डेड स्किन सेल्स, झाइयां साफ होकर चेहरे पर नेचुरल व गुलाबी निखार आने में मदद मिलती है।

हल्दी और चीनी

त्वचा की कई परेशानियों को दूर करने के लिए हल्दी काफी फायदेमंद साबित होती है। ऐसे में आप एक कटोरी में सबसे पहले बड़ा चम्मच हल्दी लेकर उसमे एक चम्मच शहद और चीनी मिलाएं। अब इसे मिलाकर चेहरे पर सही से स्क्रब करें। कुछ देर के बाद इसे गुनगुने पानी से धो दें। भुनी हुई हल्दी में एंटी इंफ्लेमेटरी गुण होता है जो स्किन को हील करने का काम करता है। यह स्किन के डैमेज सेल्स को तेजी से हील करने में मदद करता है जिससे स्किन दोबारा ग्लो करने लगती है।

नींबू और चीनी

नींबू त्वचा से जुड़ी कई परेशानियों को दूर करता है। इससे सबसे अच्छी तरह से टैनिंग की समस्या खत्म होती है। ऐसे में आप इसकी मदद से स्क्रब तैयार कर सकती हैं। इसके लिए आपको बस एक कटोरे में चीनी लेकर नींबू का रस मिलाना है। इसमें थोड़ा सा शहद भी डालें। अब इस पैक से चेहरे पर मसाज करें और कुछ देर के बाद चेहरे को पानी से धो लें। नींबू और चीनी दोनों ही त्वचा में निखार लाने के लिए बहुत अच्छे हैं। चीनी-आधारित एंटीमेलानोजेनिक एजेंट उन कारकों में हस्तक्षेप कर सकते हैं जो त्वचा को हल्का बना सकते हैं या इसे गहरा होने से रोक सकते हैं। विटामिन सी की भरपूर मात्रा से भरपूर नींबू का रस त्वचा का रंग हल्का करने में मदद करता है। त्वचा को नमी देने के लिए चीनी एक शक्तिशाली घटक है और इसी कारण से इसका उपयोग कॉस्मेटिक घटक के रूप में किया जाता है। नींबू और चीनी का संयोजन त्वचा को हाइड्रेटेड और नमीयुक्त रखने में मदद करता है। इसलिए, यदि आपकी त्वचा शुष्क है तो यह एक अच्छा विकल्प हो सकता है।

हंसना मना है

प्यार को मत छुपाओ उसे जरुरत है जताने की, अपनी प्रतिभाओं को मत छुपाओ उन्हें जरुरत है बढ़ाने की, अब और परफ्यूम मत लगाओ तुम्हें जरुरत है नहाने की।

तु चांद मांग मैं चांद दे दूं, तु रात मांग मैं रात दे दूं, तु दिल मांग मैं दिल दे दूं, तु प्यार मांग, क्या यार, भीक मांगने की भी एक लिमिट होती है।

तुम क्या जानो गम क्या होता है? तुम क्या जानो गम किसे कहते है? तुम क्या जानो गम क्या चीज होती है? तुमने तो हमेशा फेवीकोल यूज किया है!

दिल की बात दिल में मत रखना, जो पसंद हो उसे आईएलयू कहना, अगर वो गुस्से में आ जाये तो डरना मत, राखी निकालना और कहना, प्यारी बहना मिलती रहना।

इतनी हसीन हैं आप, खुद को दुनिया की नजरों से बचाया करो! आखो में काजल लगाना काफी नहीं! गले में लिंबु-मिर्ची भी लटकाया करो।

मां : उठ जा कम्बखत, देख सूरज कब का निकल आया है, बेटा : तो क्या हुआ मां! वो सोता भी तो मुझसे पहले है।

कहानी | मूर्ख साधू और ठग

एक बार की बात है किसी गांव में एक साधु बाबा रहा करते थे। पूरे गांव में वह अकेले साधु थे, जिन्हें पूरे गांव से कुछ न कुछ दान में मिलता रहता था। दान के लालच में उन्होंने गांव में किसी दूसरे साधू को नहीं रहने दिया और अगर कोई आ जाता था, तो उन्हें किसी भी प्रकार से गांव से भगा देते थे। इस प्रकार उनके पास बहुत सारा धन इकट्ठा हो गया था। वहीं, एक ठग की नजर कई दिनों से साधु बाबा के धन पर थी। वह किसी भी प्रकार से उस धन को हड़पना चाहता था। उसने योजना बनाई और एक विद्यार्थी का रूप बनाकर साधु के पास पहुंच गया। उसने साधु से अपना शिष्य बनाने का आग्रह किया। पहले तो साधु ने मना किया, लेकिन फिर थोड़ी देर बाद मान गए और ठग को अपना शिष्य बना लिया। ठग साधु के साथ ही मंदिर में रहने लगा और साधु की सेवा के साथ-साथ मंदिर की देखभाल भी करने लगा। ठग की सेवा ने साधु को खुश कर दिया, लेकिन फिर भी वह ठग पर पूरी तरह विश्वास नहीं कर पाया। एक दिन साधु को किसी दूसरे गांव से निमंत्रण आया और वह शिष्य के साथ जाने के लिए तैयार हो गया। साधु ने अपने धन को भी अपनी पोटली में बांध लिया। रास्ते में उन्हें एक नदी मिली। साधु ने सोचा कि क्यों न गांव में प्रवेश करने के पहले नदी में स्नान कर लिया जाए। साधु ने अपने धन को एक कंबल में छुपाकर रख दिया और ठग से उसकी देखभाल करने का बोलकर नदी की ओर चले गए। ठग की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। उसे जिस मौके की तलाश थी, वो मिल गया। जैसे ही साधु ने नदी में डुबकी लगाई ठग सारा सामान लेकर भाग खड़ा हुआ। जैसे ही साधु वापस आया, उसे न तो शिष्य मिला और न ही अपना सामान। साधु ने ये सब देखकर अपना सिर पकड़ लिया।

कहानी से सीख- हमें इस कहानी से यह सीख मिलती है कि कभी भी लालच नहीं करना चाहिए और न ही किसी की चिकनी चुपड़ी बातों पर विश्वास करना चाहिए।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

शेयर मार्केट व म्युचुअल फंड से लाभ होगा। स्थायी संपत्ति के कार्य बड़ा लाभ दे सकते हैं। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। यात्रा मनोरंजक रहेगी।

वृषभ

पार्टी व पिकनिक का कार्यक्रम बनेगा। मनोरंजन का समय मिलेगा। रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। मनपसंद भोजन का आनंद मिलेगा। कारोबारी वृद्धि की योजना बनेगी।

मिथुन

बुरी खबर प्राप्त हो सकती है। दौड़धूप अधिक होगी। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। काम में मन नहीं लगेगा।

कर्क

थकान व कमजोरी रह सकती है। खान-पान पर ध्यान दें। घर-परिवार की चिंता बनी रहेगी। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। समय अच्छा व्यतीत होगा। प्रसन्नता रहेगी।

सिंह

विवाद को बढ़ावा न दें। हल्की हंसी-मजाक करने से बचें। उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। आत्मसम्मान बनेगा। भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी।

कन्या

उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। यात्रा मनोरंजक रहेगी। नवीन वस्त्राभूषण की प्राप्ति पर व्यय होगा। व्यापार लाभदायक रहेगा। कोई बड़ा कार्य होने से प्रसन्नता रहेगी।

तुला

स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। विवाद को बढ़ावा न दें। बनते काम बिगड़ सकते हैं। तनाव रहेगा। व्यापार ठीक चलेगा। यात्रा में विशेष सावधानी रखें।

वृश्चिक

दूर से अच्छे समाचार प्राप्त होंगे। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है, प्रयास करें। यात्रा मनोरंजक रहेगी।

धनु

समय अनुकूल है। योजना फलीभूत होगी। कार्यस्थल पर परिवर्तन हो सकता है। मित्रों के साथ समय मनोरंजक बीतेगा। लेन-देन में जल्दबाजी न करें।

मकर

वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। कानूनी अड़चन दूर होगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। यात्रा मनोरंजक रहेगी। मनोरंजन के साधन प्राप्त होंगे।

कुम्भ

चोट व दुर्घटना से हानि संभव है। जल्दबाजी व लापरवाही भारी पड़ सकती है। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। हल्की हंसी-मजाक न करें। विवाद हो सकता है।

मीन

बुद्धि का प्रयोग किसी भी समस्या का निवारण कर सकता है, यह याद रखें। किसी प्रभावशाली व्यक्ति का मार्गदर्शन व सहयोग प्राप्त होगा। लाभ के अवसर हाथ आएंगे।

150 से अधिक सिनेमाघरों में रिलीज होगी 'महादेव का गोरखपुर'

भोजपुरी के सुपरस्टार व सांसद रवि किशन इन दिनों अपनी पैन इंडिया रिलीज फिल्म महादेव का गोरखपुर को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। रवि किशन की आगामी फिल्म इतिहास रचने की तैयारी में है। बता दें कि ये भोजपुरी की पहली फिल्म होगी जो, 150 से अधिक सिनेमाघरों में रिलीज होगी। ये देश की सभी भाषाओं की सबसे बड़ी थियेटर रिलीज होने वाली फिल्म बनने जा रही है।

भोजपुरी | **मसाला**

29 मार्च है रिलीज हो रही इस फिल्म को ग्लोबल स्तर पर रिलीज किया जाने की तैयारी हो रही है। बता दें कि अमेरिका के 12 थिएटर्स में फिल्म को रिलीज किया जाने वाला है। ये भोजपुरी भाषा और भोजपुरी समाज के लिए बड़े ही गर्व का क्षण होगा, जब इतने बड़े पैमाने पर फिल्म को रिलीज होगी। बता दें कि यूपी, बिहार, असम और बंगाल में ये फिल्म रिलीज हो रही है। इसमें खास बात यह है कि फिल्म सिने प्लेक्स व आईनोक्स जैसे बड़े जगहों पर रिलीज की जाएगी।

वहीं इतनी बड़ी रिलीज की प्लानिंग से एक्टर रवि किशन बेहद खुश हैं। वो भोजपुरी के पहले ऐसे एक्टर हैं, जिनकी फिल्म को इतनी बड़ी रिलीज मिल रही है। उनका कहना है कि भोजपुरी इंडस्ट्री के लिए ये गर्व की बात है। अब भोजपुरी माटी के बोली विश्व देखेगी। महादेव के आशीर्वाद से 29 मार्च को। हर हर महादेव होई। आपको बता दें कि रवि किशन महादेव के बहुत बड़े भक्त हैं और उनकी भक्ति का अंदाजा उनकी इस फिल्म में भी लगने वाला है। फिल्म का निर्माण बड़े पैमाने पर हुआ है। बजट के मामले में भी फिल्म काफी बड़ी है। रवि किशन प्रोडक्शन के साथ मिलकर वाया फिल्म्स ने फिल्म महादेव का गोरखपुर का निर्माण किया है, जिसके प्रस्तुतकर्ता सीसी शाह एंड संस हैं। फिल्म के निर्माता प्रीतेश शाह और सलिल संकरण हैं। सह निर्माता अरविंद और अमरजीत दहिया हैं। कहानी साई नारायण ने लिखी है। डीओपी अरविंद सिंह हैं। म्यूजिक अगम अग्रवाल और रंजिन राज का है। एक्शन फैंटम प्रदीप का है।

अब पुलिस ऑफिसर बन रौब दिखाएंगी भूमि पेडनेकर

भूमि पेडनेकर की गिनती भारतीय सिनेमाकी उन एक्ट्रेसेस में की जाती है, जो अपने किरदारों को बखूबी पर्दे पर उतारने के लिए कोई प्रयोग करने से पीछे नहीं हटतीं। यही कारण है कि भूमि की फिल्मों का हमेशा ही दर्शकों को बेसब्री से इंतजार रहता है। वहीं, एक्ट्रेस भी एक के बाद एक दिलचस्प प्रोजेक्ट्स का ऐलान कर रही हैं। पिछले दिनों उन्हें नेटफ्लिक्स की फिल्म भक्षक में पत्रकार की भूमिका में देखा गया है। वहीं, अब एक्ट्रेस को पुलिस ऑफिसर के दमदार किरदार में देखा जाने वाला है।

प्राइम पर स्ट्रीम होगी सीरीज

सीरीज में भूमि को रीत फरेरा नाम की डीसीपी का किरदार निभाते हुए देखा जाएगा, जो सीरियल किलिंग की जांच करेगी। अब सीरीज से सामने आए भूमि के इस लुक ने अभी से एक्ट्रेस के किरदार और इस सीरीज के लिए उत्सुकता बढ़ा दी है। बता दें कि यह सीरीज अमेजॉन प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम की जाने वाली है। हालांकि, फिलहाल इसकी रिलीज डेट का ऐलान नहीं किया गया है।

भूमि पेडनेकर ने किया पहली वेब सीरीज का ऐलान

भूमि ने कुछ देर पहले ही अपनी पहली वेब सीरीज दलदल का ऐलान किया है। अमृत राज गुप्ता के निर्देशन में बनने जा रही इस सीरीज की कहानी श्रीकांत अग्निस्वरन, रोहन डिसूज़ा और प्रिया सग्गी ने मिलकर लिखी है। बताया जा रहा है कि यह वेब सीरीज लेखक विश धमीजा की नॉवल भिंडी बाजार पर आधारित है। अब सीरीज से भूमि का एक लुक भी सामने आया है, जिसमें एक्ट्रेस रफ-टफ लुक में नजर आ रही हैं। उनके पीछे अंधेरे में पुलिस की गाड़ी खड़ी दिख रही है।

बॉलीवुड | **मन की बात**

मैं चूहे-बिल्ली की दौड़ का हिस्सा नहीं बनना चाहती हूं : अंकिता

सलमान खान के रियलिटी शो बिग बॉस 17 से अंकिता लोखंडे ने सबसे ज्यादा सुर्खियां बटोरी हैं। अंकिता बिग बॉस 17 की विजेता तो नहीं बन पाईं, लेकिन अब उन्हें कई बड़े प्रोजेक्ट्स के ऑफर मिल रहे हैं। बिग बॉस 17 में सफल प्रदर्शन के बाद, अंकिता लोखंडे स्वतंत्र वीर सावरकर के साथ बड़े पर्दे पर अभिनय करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। अंकिता सावरकर की पत्नी यमुना बाई की भूमिका निभाएंगी। अभिनेत्री अपने इस किरदार को लेकर काफी उत्साहित है और बताया है कि वह भविष्य में ऐसी ही भूमिकाओं का चुनाव करेंगी। अंकिता ने साझा किया कि उन्होंने एक करियर चुना है, जहां वह अच्छे सिनेमा से जुड़ना चाहती हैं। अंकिता ने कहा, मैं हर जगह नजर नहीं आना चाहती। मैं बस कुछ जरूरी चीजों का हिस्सा बनना चाहती हूं। मैं इसी तरह के रोल करना चाहती हूं। मुझे चीजें इसी तरह पसंद हैं। इससे मुझे यह विश्वास भी मिलता है कि मैं ऐसे चुनौतीपूर्ण भूमिकाएं कर सकती हूं। अंकिता ने आगे कहा, मैं चूहे-बिल्ली की दौड़ का हिस्सा नहीं बनना चाहती हूं। मैं उस ट्रैक पर नहीं जाना चाहती हूं। मुझे उन लोगों से कोई समस्या नहीं है, जो ऐसा करते हैं, लेकिन यह मेरे लिए नहीं है। जो भी हो, लेकिन मैं अपने लिए उनमें से सर्वश्रेष्ठ को चुनूंगी। मैं बहुत चयनात्मक हूं और अपना काम बुद्धिमानी से चुनती हूं। मैं गलतियां कर सकती हूं, लेकिन यह केवल मेरा निर्णय होगा। अपने करियर के बारे में बात करते हुए अंकिता ने कहा, जब मैं पीछे मुड़कर देखती हूं, तो मुझे विश्वास नहीं होता कि 20 साल हो गए हैं। मुझे आश्चर्य होता है कि मैंने कैसे इतना अच्छा काम किया और सफलता पाई। हम एक परिवार की तरह जुड़ा हुआ भी महसूस करते हैं। मुझे अपनी पीठ थपथपाने और शाबाश कहने का मन कर रहा है। फैंस का मुझे ढेर सारा प्यार मिल रहा है और इससे मैं बहुत खुश भी हूं।

यहां होली पर पुरुषों से मार खाने को तरसती हैं महिलाएं!

देश में होली का पर्व बड़े हर्षोल्लास और प्रेम के साथ मनाया जाता है। अलग-अलग राज्यों में अलग-अलग परम्परा से होली मनाई जाती है। मध्य प्रदेश के बुरहानपुर जिले में लड्डू मार होली का आयोजन होता है। बुधवारा के श्री गोकुल चंद्रमा मंदिर में पिछले 35 वर्षोंसे लड्डू मार होली हो रही है। यहां पर पुरुष महिलाओं पर लड्डू बरसाते हैं। इस तरह की होली का हर किसी को इंतजार होता है। यह लड्डू मार होली सभी के लिए खुशियां प्रेम और स्नेह लेकर आती है। लोकल 18 की टीम को मंदिर समिति के प्रमुख हरि कृष्ण मुखिया ने जानकारी देते हुए बताया कि पिछले 35 वर्षों से बुधवारा के श्री गोकुल चंद्रमा मंदिर में लड्डू मार होली का आयोजन हो रहा है। यहां पर पुरुष महिलाओं पर लड्डू बरसाते हैं। भगवान श्री कृष्णा भी कंकर यानी मिश्री मार कर होली का पर्व मनाते थे। उसी तर्ज पर बुरहानपुर में राजगुरे के लड्डू पुरुष महिलाओं पर बरसाते हैं और महिलाएं लड्डू लगने पर इसे भगवान श्री कृष्ण का प्रसाद समझकर ग्रहण करती हैं। इस होली खेलने के लिए बच्चे बुजुर्ग महिलाएं सभी शामिल होते हैं। इस बार 24 मार्च को शाम 6 बजे से 8 बजे तक लड्डू मार होली का उत्सव मनाया जाएगा। मंदिर में पुरुष लड्डू लेकर पहुंचते हैं और भगवान श्री कृष्णा के सामने भोग के रूप में लड्डू को रखा जाता है। जिसके बाद होली लड्डुओं से खेली जाती है। पुरुष महिलाओं पर यह लड्डू बरसाते हैं। मंदिर में चारों ओर महिला पुरुष सभी एकत्रित होते हैं। जिसके बाद यह आयोजन होता है। आयोजन 2 घंटे तक होता है। मंदिर में हजारों की संख्या में भक्त पहुंचकर इस लड्डूमार होली का आनंद लेते हैं।

अजब-गजब | **वैज्ञानिकों की रिसर्च में हुआ चौंकाने वाला खुलासा**

छोटे बच्चे अपनी आंखें क्यों रगड़ते हैं?

आपने भी बच्चों को आंखें मलते हुए देखा होगा। माता-पिता को यह सिखाया जाता है कि जब कोई बच्चा अपनी आंखें रगड़े, तो समझ लेना चाहिए कि उसे नींद आ रही है। लेकिन कभी सोचा कि बच्चे जब थक जाते हैं तो अपनी आंखें ही क्यों रगड़ते हैं? आखिर इसके पीछे की असल वजह क्या है। वैज्ञानिकों की रिसर्च में जो मिला वह चौंकाने वाला है।

कैलिफोर्निया यूनिवर्सिटी के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. रेबेका डुडोविट्ज़ ने लाइव साइंस को बताया, दुर्भाग्य से, हम किसी बच्चे से ठीक-ठीक यह नहीं पूछ सकते कि वे अपनी आंखें क्यों रगड़ रहे हैं। लेकिन हम अनुभव कर सकते हैं। जब वे थके होते हैं तो अपनी आंखें मलना शुरू कर देते हैं। ऐसा तब होता है जब उनकी आंख की मांसपेशियों में खिंचाव आने लगता है। मांसपेशियां बताती हैं कि अब ब्रेक का समय आ गया है। जिस तरह पूरे दिन डेस्क पर बैठने के बाद आपके कंधों को मालिश की आवश्यकता होती है, उसी तरह आपकी आंखों को ध्यान केंद्रित करने में मदद करने वाली मांसपेशियां रगड़ने के बाद बेहतर महसूस करती हैं। बच्चे अपना अधिकांश समय अपने आस-पास की वस्तुओं को घूरने में बिताते हैं। इसलिए उनकी आंखें थक जाती हैं। घूरने से भी

आंखें सूख जाती हैं। वयस्कों की अपेक्षा बच्चे एक मिनट में केवल कुछ ही बार पलकें झपकाते हैं, इसलिए उनकी आंखें भी जल्दी सूखती हैं। बार-बार पलक झपकने से आंसुओं की एक परत निकलती रहती है, जो मांसपेशियों को नर्म बनाए रखती है। लेकिन बच्चे चूंकि ज्यादा पलकें नहीं झपकाते, इसलिए उनकी कार्निया की सतह पर सूखे धब्बे बन जाते हैं। इसे हटाने के लिए ही बच्चे बार-बार अपनी आंखों को मलते हुए नजर आते हैं।

हालांकि, आंखें ज्यादा समय के लिए रगड़ना उनके लिए अच्छा नहीं है। बार-बार आंखें मलने से उनकी दृष्टि में समस्याएं हो सकती हैं। साइंटिस्ट के मुताबिक, जब आप थके हुए होते हैं, तो अपनी आंखें रगड़ना अच्छा लगता है। इसकी वजह सिर्फ ये है कि रगड़ने से ट्राइजेमिनल और वेगस तंत्रिकाएं उत्तेजित हो जाती हैं, जिससे वहां का ब्लड प्रेशर कम हो जाता है। यह प्रक्रिया मस्तिष्क से आंखों तक और मस्तिष्क से पूरे शरीर में चलती रहती है। तो सीधी बात है कि बच्चे उन्हीं कारणों से अपनी आंखें रगड़ते हैं, जिन कारणों से वयस्क करते हैं। उनकी आंखें थकी हुई और सूखी हैं, और वे झपकी के लिए तैयार हैं।

राहुल ने भारत के 130 करोड़ लोगों की चेतना को जगाया : पप्पू यादव

» पूर्णिया सीट से कांग्रेस से लड़ सकते हैं लोकसभा चुनाव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। पूर्व लोकसभा सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव ने जन अधिकार पार्टी का कांग्रेस में विलय कर दिया। संभावना है कि कांग्रेस पप्पू यादव को पूर्णिया सीट से लोकसभा चुनाव में उतार सकती है। फिलहाल उनकी पत्नी रजीत रंजन कांग्रेस की राज्यसभा सांसद हैं। इस दौरान पप्पू यादव ने कहा कि मैंने बचपन से ही मोहन प्रकाश जी को संघर्ष करते देखा है और जीवन भर उनका आशीर्वाद मुझे मिलता रहा है। उन्होंने कहा राहुल गांधी ने भारत के 130 करोड़ लोगों की चेतना को जगाया है।

वह तब एक मजबूत आवाज हुआ करते थे और अब वह मेरे लिए एक विचारधारा हैं। हम हमेशा कांग्रेस की विचारधारा से जुड़े रहे हैं। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने इस दुनिया में सबसे ज्यादा संघर्ष किया है, खासकर ऐसे समय में जब डिजिटल मीडिया ने सबसे ज्यादा मेहनत पर कब्ज़ा कर लिया है, वह अत्यधिक तापमान में 4000 किमी से अधिक चलेमुझे जो सम्मान मिला है और राहुल और प्रियंका गांधी ने मुझ पर और मेरी पार्टी पर जो विश्वास जताया है, वह मुझे आगे बढ़ने के लिए काफी है।

इस दौरान पवन खेड़ा ने कहा कि जन अधिकार पार्टी और पप्पू यादव जी किसी भी परिचय के मोहताज नहीं हैं। पप्पू यादव जी एक कद्दावर नेता हैं। वे आज कांग्रेस पार्टी के नेतृत्व, नीतियों और दिशा से प्रभावित होकर कांग्रेस में शामिल हो रहे हैं। वे जन अधिकार पार्टी का भी कांग्रेस में विलय कर रहे हैं। ये विलय साधारण नहीं है, बल्कि ऐतिहासिक है। इससे पहले पप्पू यादव ने मंगलवार शाम को राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव और पार्टी नेता तेजस्वी यादव से मुलाकात की थी। कभी पप्पू यादव लालू यादव और उनके परिवार के बेहद करीबी थे। हालांकि, बाद में रिश्तों में बड़ी दरार देखने को मिली। जन अधिकार पार्टी के प्रमुख पप्पू यादव ने राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव और पार्टी नेता तेजस्वी यादव से मुलाकात पर कहा कि लालू यादव और मेरे बीच राजनीतिक रिश्ता नहीं है, यह पूरी तरह से भावनात्मक रिश्ता है। कल हम सब एक साथ बैठे थे। हमारी कोशिश किसी भी कीमत पर सीमांचल और मिथिलांचल में बीजेपी को रोकने की है। तेजस्वी यादव ने 17 महीने काम किया और विश्वास बनाया, राहुल गांधी ने दिल जीता और लोगों में उम्मीद जगाई।

झारखंड हाईकोर्ट से राहुल गांधी को राहत

झारखंड उच्च न्यायालय ने बुधवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी को बड़ी राहत दी। कोर्ट ने चाईबासा की एक अदालत की ओर से राहुल के खिलाफ जारी गैर-जमानती गिरफ्तारी वारंट पर रोक लगा दी। दरअसल, चाईबासा की विशेष अदालत ने मानहानि मामले की सुनवाई में हाजिर न होने पर राहुल के खिलाफ 27 फरवरी को गैर-जमानती गिरफ्तारी वारंट जारी किया था। इस आदेश को कांग्रेस नेता ने उच्च न्यायालय में चुनौती दी थी। मामले की सुनवाई के बाद हाईकोर्ट ने गैर-जमानती गिरफ्तारी वारंट पर 30 दिनों की रोक लगा दी।राहुल ने 2019 के लोकसभा चुनाव से पहले चाईबासा में एक रैली के दौरान केंद्रीय मंत्री अमित शाह पर कथित तौर पर अपमानजनक टिप्पणी की थी। चाईबासा के प्रताप कुमार नामक व्यक्ति ने राहुल के खिलाफ मामला दर्ज कराया था। उन्होंने चाईबासा में मजिस्ट्रेट की अदालत के दायर याचिका में कहा कि राहुल के बयान अपमानजनक थे और इससे संबंधित व्यक्ति के सम्मान को ठेस पहुंचती है। उन्होंने याचिका में यह भी कहा कि राहुल ने जानबूझकर अमित शाह की छवि खराब करने के लिए ऐसा बयान दिया था।

सड़क पर संघर्ष की अनुमति बीएसपी में नहीं : दानिश

» कांग्रेस में शामिल होने के बाद दी प्रतिक्रिया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। लोकसभा सदस्य दानिश अली कांग्रेस में शामिल हो गए। इस बीच ये खबर भी आ रही है कि वह अपने संसदीय क्षेत्र अमरोहा से कांग्रेस के टिकट पर चुनाव लड़ सकते हैं। कांग्रेस महासचिव और उत्तर प्रदेश प्रभारी अविनाश पांडे ने पार्टी में उनका स्वागत किया।

दानिश अली ने पिछले दिनों कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी से मुलाकात की थी और कहा था कि उन्होंने उत्तर प्रदेश की अमरोहा सीट से लोकसभा में अपनी दूसरी पारी के लिए ''सोनिया गांधी का आशीर्वाद प्राप्त किया। समाजवादी पार्टी के साथ गठबंधन में उत्तर प्रदेश की जो 17 लोकसभा सीटें कांग्रेस के खाते में आई हैं, उनमें अमरोहा भी शामिल है. एनडीटीवी संग खास बातचीत में दानिश अली ने कहा कि मेरी जिस ऊर्जा का उपयोग बीएसपी में नहीं हुआ उसका अब राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस में होगा. क्योंकि जिन मुद्दों को लेकर मैं खड़ा रहा उन्हीं को लेकर राहुल संसद और सड़क पर संघर्ष करते हैं. सड़क पर संघर्ष करने की अनुमित मेरी पूर्व की पार्टी में नहीं थी. इसलिए अब लड़ाई लड़ने में अब और मजा आएगा। एक तरफ विभाजनकारी ताकते हैं जो अस्थिरता फैलाने की कोशिश करती है. एक तरह कांग्रेस है जो देश के गरीब, पिछड़े, छात्र और किसानों को न्याय दिलाने में लगी है। सबको न्याय दिलाने के लिए राहुल गांधी ने देश में यात्रा की। जबकि पीएम वहां नहीं पहुंच पाए. बीएसपी के कार्यकर्ताओं का मनोबल टूट चुका है। कार्यकर्ता संघर्ष करना चाहता है। मुझे अगर कांग्रेस ने चुनाव लड़ने दिया तो वहां की जनता मुझे फिर से अपना आशीर्वाद देगी। मेरे से पहले के सांसद की संसद में जुबान ही नहीं खुलती थी। मैंने अपनी जनता को जुबान देने का काम किया है। इसलिए अमरोहा की जनता मेरे साथ खड़ी है और इंतजार कर रही है।

अवैध रोहिंग्याओं को भारत में बसने का अधिकार नहीं : गृह मंत्रालय

» केंद्र ने शीर्ष अदालत में दायर किया हलफनामा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट से कहा है कि अवैध रोहिंग्या मुस्लिम प्रवासियों को भारत में रहने और बसने का कोई मौलिक अधिकार नहीं है। सरकार ने यह भी कहा कि न्यायपालिका अवैध रूप से भारत में घुसपैठ करने वालों को शरणार्थी का दर्जा देने के मकसद से एक अलग श्रेणी बनाने के लिए संसद व कार्यपालिका के विधायी और नीतिगत क्षेत्र में दखल नहीं दे सकती।

केंद्रीय गृह मंत्रालय ने शीर्ष कोर्ट में दायर हलफनामे में कहा, रोहिंग्या अवैध अप्रवासी हैं और उन्हें शरणार्थी के रूप में स्वीकार नहीं किया जा सकता। संविधान के अनुच्छेद 19 के तहत, देश में सिर्फ भारतीय नागरिकों को ही बसने का मौलिक अधिकार है। सरकार ने कहा, अवैध रूप से भारत में प्रवेश करने वालों से विदेशी अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार निपटा जाएगा।

औरंगजेब और मोदी का जन्मस्थान एक : राउत

» औरंगजेबी रवैया गुजरात और दिल्ली से महाराष्ट्र की ओर बढ़ रहा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। शिवसेना उद्धव गुट के नेता राउत ने महाराष्ट्र के विदर्भ क्षेत्र के बुलढाणा में रैली को संबोधित करते हुए कहा था कि मराठा साम्राज्य के संस्थापक छत्रपति शिवाजी महाराज का जन्म महाराष्ट्र में हुआ था, जबकि औरंगजेब का जन्म वर्तमान गुजरात में हुआ था। उन्होंने कहा, (गुजरात) में दाहोद एक जगह है, जहां (पीएम) मोदी का जन्म हुआ, औरंगजेब का जन्म भी वहीं हुआ था।

इसलिए औजरंगजेबी रवैया गुजारत और दिल्ली से महाराष्ट्र की ओर बढ़ रहा है। यह यूबीटी और हमारे स्वाभिमान के खिलाफ है। यह मत कहिए कि मोदी आ गया, यह कहिए औरंगजेब आ गया है। हम उन्हें दफना देंगे। इस पर बीजेपी ने मोदी की तुलना मुगल बादशाह औरंगजेब करने पर कहा कि देश की जनता प्रधानमंत्री पर इस तरह के हमलों का मुहतोड़ जवाब देगी।

डेंटल कैंप में मरीजों को दी गई सलाह

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

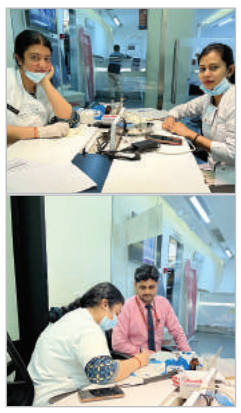

लखनऊ। वर्ल्ड ओरल हेल्थ दिवस के अवसर पर एक दिवसीय फ्री डेंटल कैंप आयोजित किया गया। यह शिविर इंडसइंड बैंक अलीगंज शाखा लखनऊ में लगाया गया। इस कैंप में डाक्टर रिया गुप्ता व उनकी टीम ने मरीजों को दांत संबंधी बीमारियों की जानकारी दी। उन्होंने इस अवसर पर कैंप से संबंधित क्रियाकलापों का विवरण भी साझा किया।

भारतीय हॉकी टीमें रैंकिंग में दूसरे स्थान पर

» एफआईएच हॉकी-5 में लगाई छलांग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारतीय पुरूष और महिला हॉकी टीमें अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ द्वारा पहली बार जारी हॉकी-5 रैंकिंग में दूसरे स्थान पर है। भारतीय पुरूष टीम ओमान और मलेशिया के साथ दूसरे स्थान पर है। तीनों टीमों के 1400 अंक है। भारत ने एशियाई चैम्पियनशिप जीती और मस्कट में जनवरी में हुए विश्व कप में पांचवें स्थान पर रहा था।

वहीं ओमान ने कांस्य पदक जीता था। नीदरलैंड 1750 अंक के साथ शीर्ष पर है जिसने पहला हॉकी5 विश्व कप और यूरोपीय चैम्पियनशिप जीती थी। पोलैंड और मिस्र संयुक्त पांचवें स्थान पर है। त्रिनिदाद और टोबैगो और कीनिया संयुक्त सातवें स्थान पर है जबकि पाकिस्तान नौवे स्थान पर है। महिला रैंकिंग में नीदरलैंड शीर्ष पर है जिसने विश्व कप में स्वर्ण पदक जीता था। इसके साथ ही यूरोपीय चैम्पियनशिप भी अपने नाम की थी। रजत पदक विजेता भारत दूसरे स्थान पर है जबकि पोलैंड तीसरे स्थान पर है। उरूग्वे और दक्षिण अफ्रीका संयुक्त चौथे स्थान पर है।

फीफा क्वालीफायर में भारत की नजरें नंबर तीन पर

गुरुवार को फीफा विश्व कप क्वालीफायर के मुकाबले में भारतीय फुटबॉल टीम का मुकाबला अफगानिस्तान के खिलाफ होगा। वहीं मिडफील्ड में जैकसन और सेंटर बैक में अनवर चोट के कारण लंबे समय बाद वापसी कर रहे हैं। दूसरे दौर के प्रारंभिक संयुक्त क्वालीफिकेशन मैच में निचली रैंकिंग वाले प्रतिद्वंद्वी पर भारत का पलड़ा भारी रहने की उम्मीद है। जैकसन सिंह और अनवर अली की वापसी से उत्साहित भारतीय फुटबॉल टीम गुरुवार को फीफा विश्व कप क्वालीफायर के मुकाबले में अफगानिस्तान का सामना करेगी तो उसकी नजरें तीसरे दौर में जगह बनाने पर लगी होंगी। भारत और अफगानिस्तान के बीच 1949 में पहले मुकाबले के बाद से दोनों टीमें समय समय पर खेलती रही है। विश्व कप क्वालीफायर, एशियाई कप क्वालीफायर और अन्य उपमहाद्वीपीय तथा आमंत्रण टूर्नामेंटों में उनका सामना हुआ है।

टिकट न मिलने से बीजेपी से नाराज हैं सदानंद गौड़ा

चुनावी राजनीति छोड़ने के दिए संकेत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेंगलुरू। कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री और बीजेपी नेता डीवी सदानंद गौड़ा ने गुरुवार को घोषणा की कि वह बेंगलुरु नॉर्थ सीट से टिकट नहीं मिलने के बाद चुनावी राजनीति छोड़ने के संकेत दिए हैं। उन्होंने कांग्रेस में शामिल होने से इनकार किया और कहा कि नरेंद्र मोदी को फिर से प्रधानमंत्री बनना चाहिए। अपने बयान में उन्होंने कहा कि मैं बीजेपी से नाराज हूं क्योंकि चुनाव का टिकट (बेंगलुरु उत्तर सीट से) मेरी जगह किसी और को दे दिया गया है। इसके साथ ही उन्होंने स्वीकार किया कि हां, मुझे कांग्रेस पार्टी में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया था, लेकिन मैं कांग्रेस पार्टी में शामिल नहीं होऊंगा। नरेंद्र मोदी को दोबारा प्रधानमंत्री बनना चाहिए।

इससे पहले 71 वर्षीय पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि कांग्रेस के लोगों ने भी मुझसे पूछा है, बीजेपी के लोगों ने भी पूछा है कि क्या निर्णय लेना है, मैं उचित समय पर निर्णय लूंगा। पूर्व में कर्नाटक भाजपा अध्यक्ष रह चुके गौड़ा ने सोमवार को कहा कि वह जल्द ही अपनी आंतरिक भावनाओं को साझा करेंगे। दोबारा नामांकन न मिलने और पार्टी के कुछ नेताओं के खिलाफ बिना नाम लिए अपनी नाराजगी जाहिर करते हुए उन्होंने कहा, यह कहने के लिए कुछ नहीं बचा है कि बीजेपी कर्नाटक में अलग तरह की पार्टी है। भाजपा ने केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री शोभा करंदलाजे, जो वर्तमान में उडुपी-चिकमगलूर लोकसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व कर रही हैं, को बेंगलुरु उत्तर से चुनाव लड़ने के लिए स्थानांतरित कर दिया। हालांकि, गौड़ा ने पहले चुनावी राजनीति से संन्यास लेने की घोषणा की थी, लेकिन बाद में यह कहते हुए पीछे हट गए कि उन पर फिर से चुनाव लड़ने का दबाव है। इस बीच, राज्य के प्रमुख समुदायों में से एक वोक्कालिगा समुदाय से आने वाले गौड़ा ने मंगलवार को राज्य वोक्कालिगा संघ के नेताओं से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि राज्य वोक्कालिगरा संघ के अध्यक्ष और उसके सभी पदाधिकारियों ने मुझसे मिलने का समय मांगा था, मुझसे बात करना चाहते थे, लेकिन मैंने कहा कि मैं खुद उनसे मिलने आऊंगा। उन्होंने मेरे साथ कुछ बातें साझा की हैं। मैं अभी बातें बताना नहीं चाहता. मैंने कल प्रेस वार्ता बुलाई है, वहां सारी बातें साझा करूंगा।

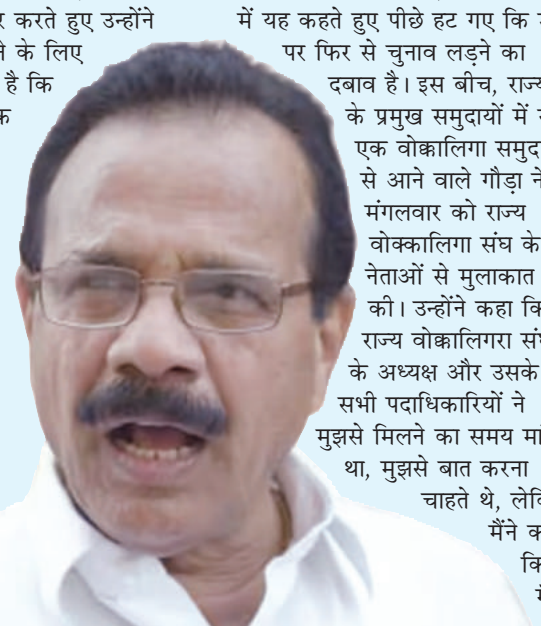

राजद ने 4 उम्मीदवारों की जारी की पहली सूची

राष्ट्रीय जनता दल (राजद) ने गुरुवार को आगामी लोकसभा चुनाव के लिए अपने उम्मीदवारों की पहली सूची जारी कर दी। राजद ने पहले चरण में मतदान वाली सभी चार सीटों के लिए उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है। पार्टी ने गया से कुमार सर्वजीत, नवादा से श्रवण कुशवाहा, औरंगाबाद से अभय कुशवाहा और जमुई से अर्चना रविदास को टिकट दिया है। गौरतलब है कि अभय कुशवाहा, जिन्हें औरंगाबाद से टिकट दिया गया है, हाल ही में नीतीश कुमार की जेडीयू छोड़कर राजद में शामिल हुए थे। बिहार में महागठबंधन के भीतर सीट-बंटवारे की व्यवस्था अभी तक संपन्न नहीं हुई है। हालाँकि, रिपोर्टों से पता चलता है कि राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव अपने उम्मीदवारों को पार्टी चिन्ह आवंटित कर रहे हैं। बुधवार (20 मार्च) को हुई राजद कार्यकारिणी की बैठक के बाद लालू यादव को आधिकारिक तौर पर सभी फैसले लेने का अधिकार दे दिया गया है। राजद के वरिष्ठ नेता श्याम रजक ने संसदीय दल की बैठक के बाद कहा कि लालू यादव अब गठबंधन में सबसे आगे होंगे। उन्होंने कहा कि गठबंधन में सदस्यों को शामिल करने का फैसला लालू यादव करेंगे।

धरा गया बदायूं हत्याकांड का दूसरा आरोपी

» बरेली से पुलिस ने पकड़ा

» फरार आरोपी जावेद पर था 25000 का इनाम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बदायूं। यूपी के बदायूं जिले में मंगलवार की शाम को दो बच्चों की हत्या की सनसनीखेज वारदात के दूसरे आरोपी को पुलिस ने बरेली से गिरफ्तार किया है। बदायूं पुलिस ने बरेली की बरादरी थाना पुलिस से सहयोग से सेटेलाइट चौराहे से पकड़ा है। पुलिस उसे बदायूं ले गई है। जावेद पर 25 हजार रुपये का इनाम था। बदायूं के एसएसपी आलोक प्रियदर्शी ने बताया कि बदायूं दोहरे हत्याकांड के दूसरे आरोपी जावेद ने पुलिस कार्रवाई के दवाब में बरेली के बारादरी थाने के सेटेलाइटचौकी पर आत्मसमपर्ण किया है।

आरोपी ने अपना एक वीडियो भी वायरल किया है। सूचना पर पुलिस उसे बदायूं लाकर घटना के बारे में पूछताछ कर रही है। आरोपी जावेद की लगातार पुलिस तलाश कर रही थी। उसकी तलाश में पुलिस की कई टीमें लगीं थीं। जावेद पर 25000 रुपये का इनाम घोषित कर दिया गया था। आरोपी से पूछताछ के बाद ही हत्याकांड की वजह का खुलासा हो सकेगा।

भ्रामक विज्ञापन मामले में पतंजलि ने मांगी बिना शर्त माफी

» शीर्ष अदालत में हलफनामा दायर कर कहा- भविष्य में ऐसा नहीं होगा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भ्रामक विज्ञापन के मामले में पतंजलि आयुर्वेद ने माफी मांग ली है। पतंजलति आयुर्वेद के एमडी आचार्य बालकृष्ण ने सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा दायर कर बिना शर्त माफी मांगी। बालकृष्ण ने कहा कि वह ये सुनिश्चित करेंगे कि ऐसे विज्ञापन आगे से जारी न हों। साथ ही उन्होंने कहा कि उनकी मंशा सिर्फ देश के नागरिकों को आयुर्वेदिक उत्पादों का इस्तेमाल करते हुए स्वस्थ जीवन जीने के लिए प्रेरित करना है।

कोर्ट ने अवमानना नोटिस का जवाब नहीं देने पर बाबा रामदेव और बालकृष्ण को 2 अप्रैल को व्यक्तिगत रूप से अदालत में पेश होने को कहा था। पीठ ने अदालत के नोटिस का जवाब नहीं देने पर कड़ी आपत्ति जताई और नोटिस जारी कर पूछा कि उनके खिलाफ अमानना की कार्यवाही क्यों नहीं शुरू की जाए।

यूपी में अचानक बदला मौसम, पारा गिरा

» आंधी के साथ कई जगहों पर हुई तेज बारिश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मार्च की शुरुआत में चढ़ रहे पारे में अचानक महीने का अंत होते-होते फिर गिरावट आ गई। होली के ठीक पहले प्रदेश में एक बार फिर से मौसम में बदलाव हुआ है। बुधवार के बाद गुरुवार को भी सुबह से बर्फीली हवाएं चल रही। ठंड का अदांजा इसी लगाया जा सकता है जो लोग अपने ऊनी कपड़े पैक कर चुके थे वे सुबह व शाम फिर स्वेटर पहने दिखाई दिए। कल दोपहर से शुरू हुई हवाएं शाम होते-होते सर्द हो गईं।

यूपी के कई जिलों में बारिश हुई। बुधवार को पश्चिमी विक्षोभ की वजह से पूर्वी उत्तर प्रदेश के कई इलाकों में हल्की से मध्यम बारिश हुई। साथ ही समूचे पूर्वी उत्तर प्रदेश में 40-50 किमी./घंटा की रफ्तार से तेज झोकेदार हवाएं दर्ज की गईं। पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से बुधवार को झारखण्ड व उसके आसपास बिहार और झारखण्ड से लगे पूर्वी उत्तर प्रदेश के कुछ जिलों और गोरखपुर, वाराणसी, बलिया, कुशीनगर, चंदौली, गाजीपुर में तेज हवा, गरज व चमक के साथ हल्की से मध्यम बारिश हुई। आज से मौसम साफ हो जाने के साथ ही दिन के तापमान में बढोतरी होने की सम्भावना है। उन्होंने बताया कि पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से 24 मार्च को पश्चिमी उतार प्रदेश में कहीं-कहीं बूंदा-बंदी के साथ हल्की बारिश होने की सम्भावना है।

लखनऊ में ठंडा हुआ मौसम

लखनऊ के कुछ हिस्सों में शाम को हल्की बारिश हुई। इसकी अलावा हवाएं चलने से तापमान में गिरावट आई। मौसम विभाग के अनुसार गुरुवार को भारी बारिश की संभावना नहीं है। मौसम सामान्य रह सकता है।

जयपुर में फटा सिलेंडर, पांच लोगों की मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। जयपुर में बृहस्पतिवार को सुबह रसोई गैस सिलेंडर फटने के बाद कमरे में आग लगने से एक ही परिवार के पांच लोगों की जलकर मौत हो गई। मरने वालों में दंपति व उसके तीन बच्चे शामिल हैं। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, बिहार का रहने वाला यह परिवार एक फैक्ट्री में काम करने के लिए जयपुर आया था और विश्वकर्मा थाना क्षेत्र के जैसला गांव में रह रहा था। पुलिस ने बताया, महिला खाना बना रही थी और तभी गैस सिलेंडर फट गया। घर में आग लगने से उनके तीन नाबालिग बच्चों सहित परिवार के सभी सदस्य जिंदा जल गए।

इसके अनुसार, आग पर काबू पा लिया गया और शवों को अस्पताल के शवगृह में रखवा दिया गया। इस बीच, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भी मृतक के परिवार के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की। उन्होंने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, ''जयपुर के विश्वकर्मा में भीषण आग की चपेट में आने से 5 नागरिकों के असामयिक निधन का समाचार हृदय विदारक है। परमपिता परमात्मा से दिवंगत आत्माओं को अपने श्रीचरणों में स्थान व परिजनों को यह वज्रपात सहन करने की शक्ति देने तथा घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं। घायलों को समुचित उपचार सुविधा उपलब्ध कराने हेतु निर्देश भी दिए गए हैं।

दिल्ली में गिरी पुरानी इमारत, दो की गयी जान

पूर्वी दिल्ली के वेलकम इलाके में एक पुरानी बिल्डिंग गिरने की खबर है। इस हादसे में दो लोगों की मौत हो गई और एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना देर रात की है। पुलिस को 2.16 बजे घटना की सूचना मिली थी। इलाके के पुलिस उपायुक्त जॉय टिर्की ने बताया कि इस हादसे में दो श्रमिकों अरशद (30) और तौहीद (20) की मौत हो गई और एक अन्य श्रमिक रेहान (22) की हालत गंभीर है और उसका इलाज किया जा रहा है। मामले में कानूनी कार्रवाई की जाएगी. आगे की जांच जारी है। पुलिस के मुताबिक घटना की सूचना देर रात 2.16 बजे मिली। इमारत की पहली मंजिल खाली थी जबकि ग्राउंड प्लोर का इस्तेमाल जींस कटिंग के लिए किया जा रहा था। बिल्डिंग गिरने के साथ ही तीन लोग उसके मलबे में दब गये। तीनों को गंभीर हालत में जीटीबी अस्पताल ले जाया गया जहां दो श्रमिकों को मृत घोषित कर दिया गया। एक शख्स को इलाक के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने बताया कि बिल्डिंग के मालिक का नाम शाहिद है। उसकी तलाश की जा रही है। मामले की जांच की जा रही है।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।